Govt. Polytechnic Jakholi Rudraprayag

ज्योतिर्गमय

(Leading to the Light)

(वार्षिक संस्करण 2024–25)

स्थापना वर्ष–2008

I^ST –ISSUE

राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली, रूद्रप्रयाग

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित

एवं

उत्तराखंड तकनीकी शिक्षा बोर्ड(यूबीटीई) रूड़की से संबद्ध

Email ID: principalgpj@yahoo.com **website: www.gpjakholi.org.in**

राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली का परिचय

राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली की स्थापना वर्ष 2008 में सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के साथ हुई। राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली रूद्रप्रयाग जिले के जखोली विकासखण्ड में स्थित है, जोकि रूद्रप्रयाग जनपद के मुख्यालय से 37 किमी तिलवाड़ा–घनसाली टिहरी मार्ग पर स्थित है। राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली के पास कुल भूमि क्षेत्रफल 4.6025 एकड़ है, जोकि ए0आई0सी0टी0ई0 के मानक अनुसार भवन निर्माण कार्य हेतु भूमि उपलब्ध है। वर्ष 2009 से वर्ष 2012 तक राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली का संचालन राजकीय पॉलीटेक्निक रतूड़ा रूद्रप्रयाग के परिसर मे किया गया तत्पश्चात वर्ष 2012 से जनवरी 2021 तक राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली का संचालन विकासखण्ड जखोली के परिसर में अस्थाई भवन में संचालन किया गया। अन्त में दिनांक 13.01.2021 से राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली का संचालन ग्राम जखोली के निजी भवन मे किया जा रहा है। वर्ष 2022 से राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली में सिविल एवं इन्वायरमेंन्टल इंजीनियरिंग नये पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान मे राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली में सूचना प्रौद्योगिकी एवं सिविल एवं इन्वायरमेंन्टल इंजीनियरिंग दो पाठ्यक्रम संचालित है। वर्ष 2008 से संचालित पाठ्यक्रम में संस्था के उत्तीर्ण छात्र रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा से देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

भौगोलिक विवरण	**140.36 हेक्टेयर**
तकनीकी विवरण	**वेबसाइड–www.gpjakholi.org.in** **ईमेल–principalgp@yahoo.com**

छात्र/छात्राओं का विवरण
कुल प्रवेशित छात्र/छात्राओं का विवरण सत्र् 2024–25

क0 स0	पाठयक्रम का नाम	वर्तमान प्रवेशित क्षमता	प्रवेशित छात्र/छात्रायें वर्ष 2024–25			अवधि
			प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष	
1	**Information Technology**	30	19	18	05	तीन वर्षीय
2	**Civil& Environmental Engineering**	60	23	13	05	तीन वर्षीय

शैक्षणिक स्टॉफ व अन्य स्टाफ विवरणः—

क0 स0	शैक्षणिक स्टॉफ	पदनाम
1	श्री कुलदीप कुमार सैनी	प्रधानाचार्य
2	श्री प्रवीण चंद्र भट्ट	व्याख्याता(आई0टी0)
3	श्री जयवीर सिंह फरस्वाण	व्याख्याता(आई0टी0)
4	श्री वेदांत रमोला	व्याख्याता(सिविल)
5	श्री अजय सिंह राणा	व्याख्याता(सिविल)
6	श्री उपेन्द्र कुमार	व्याख्याता(सिविल)
7	कुमारी मानसी	व्याख्याता(अंग्रेज़ी)
8	श्री नवीन खत्री	व्याख्याता(भौतिकी)
9	श्री प्रकाश चन्द्र भट्ट	व्याख्याता(रसायन विज्ञान)
10	श्री मयंक कुमार	कर्मशाला अनुदेशक
11	श्री कौशिक कुमार	कर्मशाला अनुदेशक
12	श्री अशोक कुमार	कर्मशाला अनुदेशक
13	श्री प्रविन्द्र सिंह नेगी	वरिष्ठ सहायक
14	श्री अमित धीरवान	सहायक लेखाकार
15	श्री संजय धीमान	कम्प्यूटर प्रोग्रामर
16	श्रीमती रंजना देवी	सफाई कर्मचारी
17	श्री तुलामोहन	पीआरडी
18	श्री प्रमोद कुमार	पीआरडी

राजकीय पॉलिटेक्निक जखोली रुद्रप्रयाग वार्षिक पत्रिका समिति

साल 2024 में राजकीय पॉलीटेक्निक जाखोली रुद्रप्रयाग की पहली संस्करण पत्रिका हमारे माननीय प्रधानाचार्य श्री कुलदीप कुमार सैनी जी के निर्देश पर प्रकाशित की गई। इसके प्रकाशन के लिए निम्नलिखित समिति बनाई गई

1	कुमारी मानसी	प्रवक्ता अंग्रेजी	अध्यक्ष
2	श्री जयवीर सिंह फरस्वाण	प्रवक्ता आई.टी	सदस्य
3	श्री उपेंद्र कुमार	प्रवक्ता सिविल	सदस्य
4	श्री नवीन खत्री	प्रवक्ता भौतिकी	सदस्य
5	श्री संजय धीमान	कंम्प्यूटर प्रोग्रामर	सदस्य

राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली

रुद्रप्रयाग में होने वाली गतिविधियाँ

वर्ष 2024-25

ओरिएंटेशन डे

दिनाँक 13 अगस्त 2024 को हमारी संस्था, **राजकीय पॉलिटेक्निक जखोली, रुद्रप्रयाग** में ओरिएंटेशन डे का आयोजन किया गया, जो नए विद्यार्थियों के लिए बहुत ही उत्साहवर्धक और प्रेरणादायक था। इस दिन न केवल संस्था के बारे में जानने का अवसर दिया, बल्कि संस्था जीवन की चुनौतियों और अवसरों के बारे में भी जानकारी दी गयी।
इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्था के निदेशक महोदय, श्री कुलदीप कुमार सैनी (प्रधानाचार्य) ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए संस्था के उद्देश्य, इतिहास, और उपलब्धियों के बारे में बताया। इसके बाद, शिक्षकों ने विभिन्न विभागों और

कोर्स के बारे में जानकारी दी, ताकि नए विद्यार्थियों को उनके विषयों के बारे में अधिक समझ हो सके।
कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संस्था के नियम, फीस संरचना, अकादमिक कार्यक्रम, लाइब्रेरी सुविधाएं, और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, संस्था की सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के बारे में भी बताया गया, जिससे हम सभी को अपनी रुचियों के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने की प्रेरणा मिली।
एक विशेष सत्र में पुराने विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और नए विद्यार्थियों को संस्था जीवन में सफलता पाने के लिए मार्गदर्शन किया। इस सत्र ने विद्यार्थियों को संस्था के माहौल और यहां की जीवनशैली के बारे में बहुत कुछ सिखाया।

कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य जी के शब्दों के साथ संपन्न हुआ।
इसने समग्र वातावरण को बहुत ही आनंदमयी और उत्साहपूर्ण बना दिया। ओरिएंटेशन डे विद्यार्थियों के लिए एक नई शुरुआत था, जिसने न केवल विद्यार्थियों को संस्था के बारे में अधिक जानकारी दी, बल्कि अपने नए जीवन के लिए प्रेरित भी किया।

तिरंगा यात्रा

भारत में हर साल स्वतंत्रता संग्राम और देश की एकता का प्रतीक तिरंगा झंडा मनाने के लिए विभिन्न आयोजनों का आयोजन किया जाता है। इनमें से एक प्रमुख आयोजन है "तिरंगा यात्रा", जो स्वतंत्रता संग्राम के महान शहीदों की याद में और राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की महिमा को प्रदर्शित करने के लिए आयोजित की जाती है। तिरंगा यात्रा भारतीय एकता, अखंडता और देशभक्ति का प्रतीक है। यह यात्रा न केवल स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को सम्मानित करती है, बल्कि भारत के नागरिकों में देशभक्ति का भाव भी प्रज्वलित करती है।

तिरंगा यात्रा का उद्देश्य: राजकीय पॉलिटेक्निक जखोली, रुद्रप्रयाग द्वार तिरंग यात्रा 14 अगस्त 2024 को प्रातः 10:00 तय की गई जिसमें संस्थान के प्रधानाचार्य, कर्मचारी और छात्रो ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य तिरंगे झंडे के प्रति सम्मान और श्रद्धा को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से लोगों को यह याद दिलाया जाता है कि तिरंगा भारतीयता, एकता और विविधता का प्रतीक है। यह यात्रा एकजुटता, शांति और सहयोग की भावना को भी बढ़ाती है। यह यात्रा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की यादों को जीवित रखने और नई पीढ़ी को हमारे राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान सिखाने का एक महत्वपूर्ण कदम है।
तिरंगा यात्रा स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) से पहले 14 अगस्त 2024 को आयोजित की गई। इस यात्रा में हमारी संस्था के कर्मचारी और छात्रो ने तिरंगा हाथ में लेकर एक साथ चलकर देशभक्ति के गीत गाते हैं और राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा को बढ़ावा देते हैं। यात्रा का आयोजन मुख्य रूप से स्कूलों, कॉलेजों, स्थानीय समाज सेवकों और सरकारी संस्थाओं द्वारा किया गया। इस यात्रा में सभी आयु वर्ग के लोग शामिल होते हैं।

तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय एकता, युवाओं में प्रेरणा, मन में देशभक्ति का जज्बा जगाती है और उन्हें अपने देश की संस्कृति और इतिहास के प्रति गर्व महसूस कराती है।

तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्र के प्रति सम्मान, प्यार और एकता का प्रतीक है। यह यात्रा हमें हमारे स्वतंत्रता संग्राम, शहीदों और हमारे देश के संघर्षों की याद दिलाती है। इसके माध्यम से हम अपनी राष्ट्रीयता और एकता को मजबूत करने की दिशा में एक कदम और बढ़ते हैं। तिरंगा यात्रा एक ऐसा उत्सव है, जो न केवल हमारे राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा को बढ़ाती है, बल्कि देशभक्ति की भावना को भी प्रज्वलित करती है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह -15 अगस्त 2024

15 अगस्त 2024 को राजकीय पॉलिटेक्निक जाखोली, रुद्रप्रयाग में भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन कालेज प्रशासन द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों, शिक्षकगण और कर्मचारियों ने भाग लिया। स्वतंत्रता दिवस का यह अवसर न केवल हमारे स्वतंत्रता संग्राम के महान नायकों को याद करने का था, बल्कि यह हमें अपने देश की एकता, अखंडता और स्वतंत्रता की क़ीमत को समझने का भी अवसर प्रदान करता है।

सुबह 08:00 बजे कालेज के प्राचार्य श्री कुलदीप कुमार सैनी कालेज के मुख्य भवन के सामने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। प्राचार्य ने तिरंगे को सलामी दी और इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रगान "जन गण मन" का सामूहिक गायन किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने अपने भाषण में स्वतंत्रता दिवस की महत्ता को सभी के सामने रखा।

प्राचार्य श्री कुलदीप कुमार सैनी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा, "आज हम स्वतंत्रता की 78वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, यह दिन हमें हमारे स्वतंत्रता संग्राम के महान नेताओं और शहीदों की याद दिलाता है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्रता दिलाई। हमें अपनी आज़ादी की क़ीमत को समझते हुए अपने कर्तव्यों को निभाने की आवश्यकता है।" उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपने देश की समृद्धि के लिए शिक्षा, समाज सेवा, और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा, "आप सब हमारे भविष्य के नेता हैं, और इस स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए आपको देश की प्रगति में अपनी भूमिका निभानी है।"

इस अवसर पर श्री प्रवीण चंद्र भट्ट ने अपने भाषण में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेताओं और शहीदों की याद दिलाई। उन्होंने कहा, "हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की कुर्बानी दी ताकि हम स्वतंत्र भारत में सांस ले सकें। हमें अपनी आज़ादी की क़ीमत समझनी चाहिए और इसे बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए ।" उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करें और अपने देश की सेवा में सदैव तत्पर रहें।

श्री संजय धीमान जी ने अपने भाषण में स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों और शहीदों के बलिदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से अपील की, "आज का दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपने देश की सेवा में योगदान देना है और हमारे शहीदों के बलिदानों को कभी नहीं भूलना चाहिए।" उनका भाषण बच्चों के मन में देशप्रेम और कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी का अहसास दिलाने वाला

था। इस अवसर पर कुछ छात्रों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर अपने विचार साझा किए। 15 अगस्त 2024 का यह स्वतंत्रता दिवस कालेज में अत्यंत सफल और प्रेरणादायक रूप से मनाया गया। इस दिन के आयोजन ने सभी को यह याद दिलाया कि हमें अपनी स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए अपने कर्तव्यों को निभाना चाहिए और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। कालेज के छात्रों और शिक्षकों ने इस दिन को अत्यधिक सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाया और यह दिन सबके लिए एक प्रेरणा बनकर आया।

शिक्षक दिवस
राजकीय पॉलिटेक्निक, जाखोली, रुद्रप्रयाग 5 सितंबर-2024

राजकीय पॉलिटेक्निक, जाखोली, रुद्रप्रयाग में शिक्षक दिवस का आयोजन 5 सितंबर-2024 को धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। यह दिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का विशेष अवसर है।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य श्री कुलदीप सैनी द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से किया गया । इसके बाद प्रधानाचार्य महोदय ने शिक्षकों के योगदान पर प्रकाश डालते हुए स्वागत भाषण दिया। उन्होंने डॉ .राधाकृष्णन के विचारों और शिक्षा में उनके योगदान के बारे में बताया गया | शिक्षक श्री प्रवीण चंद्र भट्ट, श्री वेदांत रमोला, श्री मयंक राजपूत,श्री कौशिक कुमार, श्री संजय धीमान और श्री जयवीर फर्स्वाण द्वारा भी शिक्षक दिवस पर प्रकाश डाला गया| छात्रा लकिता आई टी सेकेंड ईयर और छात्रा रवीना उनियाल सिविल द्वितीय वर्ष ने भी शिक्षक दिवस पर प्रकाश डाला गया |
छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को जीवंत बना दिया। कविताएं, भाषण, नृत्य और नाटक के माध्यम से छात्रों ने शिक्षकों के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छात्रों द्वारा शिक्षकों की भूमिका निभाकर हास्यपूर्ण तरीके से शिक्षण प्रक्रिया का प्रदर्शन था, जिसने सभी को खूब हंसाया।

शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने अपने प्रिय शिक्षकों को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट किए। शिक्षकों ने भी इस अवसर पर अपने अनुभव साझा किए और छात्रों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्य महोदय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। शिक्षक दिवस का यह आयोजन न केवल शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर था, बल्कि यह छात्रों और शिक्षकों के बीच संबंध को और अधिक मजबूत बनाने का माध्यम भी बना।

रक्तदान शिविर

हमारे संस्थान राजकीय पॉलिटेक्निक जखोली, रुद्रप्रयाग में दिनांक 6 सितम्बर 2024 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त उपलब्ध कराना था। इस शिविर में संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदान किया।

रक्तदान शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के द्वार कराया गया। शिविर की शुरुआत 10:30a.m. में हुई और यह 3:30p.m. तक चला।

शिविर का संचालन संस्था के सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र के चिकित्सकों और स्टाफ द्वारा किया गया। शिविर में आने वाले सभी रक्तदाता से उनकी शारीरिक स्थिति, रक्त समूह और अन्य स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई।

शिविर में हमारे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों का उत्साहपूर्ण योगदान देखा गया। हमारी संस्थान के प्रिंसिपल व अन्य स्टाफ ने भी रक्तदान में योगदान दिया, विशेष रूप से छात्रों ने इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हमारी संस्था के करीब 26 छात्रों ने रक्त दान किया, जिनसे से काई स्टूडेंट्स लड़किया भी थी । कई लोगों ने इस अवसर पर रक्तदान करने की अपनी पहली बार की कोशिश की और उनके लिए यह एक प्रेरणादायक अनुभव था।रक्तदान से पहले सभी रक्तदाताओं की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई, जिसमें रक्तचाप, हीमोग्लोबिन की जांच और शारीरिक स्थिति की जांच की गई। इसके बाद ही रक्तदान की अनुमति दी गई। रक्तदान के बाद, रक्तदाताओं को कुछ समय के लिए आराम करने और ताजे फल और पानी उपलब्ध कराया गया।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्तदान के महत्व को समझाना और इसे जीवनदायिनी कार्य के रूप में प्रस्तुत करना था। शिविर में सभी रक्तदाताओं को यह संदेश भी दिया गया कि नियमित रूप से रक्तदान करना न केवल जरूरतमंद लोगों के लिए मददगार होता है, बल्कि यह रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। हमारी संस्थान के निदेशक श्री कुलदीप कुमार सैनी सर ने सभी रक्तदाताओं और शिविर के आयोजकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस तरह के आयोजनों की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है जो किसी की जान बचा सकता है। इस रक्तदान शिविर का आयोजन सफल रहा और इसने हमारे संस्थान के समुदाय में रक्तदान के प्रति जागरूकता को बढ़ाया। रक्तदान से न केवल जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि यह समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करता है।

वाद-विवाद प्रतियोगिता

रा०पा० जखोली ने दिनांक 07/10/2024 को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सेमिनार कक्ष में I.T. तथा Civil & Environmental Engineering के छात्रों के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन समस्त शौक्षणिक कार्मिको द्वारा किया गया

वाद-विवाद प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों को सार्वजनिक भाषण कौशल को निखारा और उन्हे अपनी राम व्यक्त करते सभ्य स्पष्ट रूप से बोलना मिखाना था, सर्व वियारो और दृष्टिकोणो का बहुपदर्शक था, जिसमे छात्र छात्रों के बीच आंवटित विषयों के बारे के पक्ष तथा विपक्षों के ज्ञान को बढाया।

विषय:

1	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
2	सोशल मीडिया के लाभ और नुकसान
3	डीफेक समाचार
4	ग्लोबल वार्मिंग
5	नशामुक्ति उत्तराखण्ड

विजेता:

1	प्रथम स्थान	अमन सिंह	(I.T.) 2nd year
2	द्वितीय स्थान	लतिका	(I.T.) 2nd year
3	तृतीय स्थान	गौरव भट्ट	(I.T.) 2nd year

कार्यक्रम अध्यक्ष प्रधानाचार्य श्री कुलदीप कुमार सैनी जी द्वारा समापन पंक्तियो मे "व्यक्ति द्वारा जनता के बीच विचारो को स्पष्ट एवं सहज रूप से विचारो को व्यक्त करने की शक्ति के साथ महत्य को स्पष्ट करन के साथ सफल कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

कॉलेज पोस्टर प्रतियोगिता

राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली रुद्रप्रयाग , 10 सितंबर 2024

दिनांक 10 सितंबर, 2024 को राजकीय पालीटेक्निक जखोली में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें छात्रों को अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर मिला। यह प्रतियोगिता हमारी पत्रिका के आगामी अंक में प्रकाशित होने का एक सुनहरा अवसर था। प्रतियोगिता के विवरण निम्नलिखित हैं:-

विषय:

1	**बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ।**
2	**ग्लोबल वार्मिंग**
3	**Smart City/IOT/Social Media**
4	**नशामुक्ति उत्तराखण्ड**
5	**स्वच्छ भारत**

आयोजन की तिथि :10 सितंबर, 2024

निर्णय के मानदंड:

- रचनात्मकता और मौलिकता
- विषय से सम्बंधित

विजेता:

प्रथम स्थान	सुनैना, स्वाति, शालिनी	प्रथम वर्ष
द्वितीय स्थान	प्रीतम पुंडीर, रमन नौटियाल, विष्णु प्रसाद	प्रथम वर्ष
तृतीय स्थान	हिमांशु	प्रथम वर्ष

निर्णायक मंडल:

1	कुलदीप सैनी	प्रधानाचार्य
2	श्री प्रवीण चंद भट्ट	सदस्य
3	श्री कौशिक कुमार	सदस्य
4	श्री मयंक राजपूत	सदस्य

विश्वकर्मा जयंती

दिनांक 17 सितम्बर 2024 को राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली में विश्वकर्मा जयन्ती मनाई गई, जिसमे प्रधानाचार्य श्री कुलदीप कुमार सैनी, जी द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर पूजॉ प्रारम्भ की गई, इसमे समस्त संस्था परिवार ने पूजा में प्रतिभाग किया, तत्पश्चात संस्था के कर्मशाला में सर्व प्रथम औजारों की पूर्जा की गई, उसके बाद सिविल लैब में औजारों एवं मशीनों की पूजा की गयी, और फिर आई0टी0लैब में समारोह मनाया गया। यह दिन भगवान विश्वकर्मा जो वास्तु और निर्माण कार्यों के देवता माने जाते हैं की पूजा के रूप में मनाया जाता है। भगवान विश्वकर्मा को हर प्रकार के शिल्प निर्माण और कलाओं के देवता के रूप में पूजा जाता है और इस दिन विशेष रूप से इंजीनियरिंग तकनीकी कार्यों कारखानों और उद्योगों में काम करने वाले लोग अपनी वर्कशॉप और उपकरणों की पूजा करते हैं।

भगवान विश्वकर्मा का महत्व: भगवान विश्वकर्मा का उल्लेख पुराणों और विशेष रूप से महाभारत में मिलता है। उन्हें "देवों का शिल्पकार" और "सृष्टि का निर्माता" कहा जाता है। वे भगवान शिव के आदेश पर त्रिदेवों (ब्रह्मा, विष्णु और महेश) के लिए विभिन्न आभूषण, यंत्र और अस्त्र शस्त्र बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हें देवताओं के नगरों, भवनों और महलों का निर्माण करने के लिए भी जाना जाता है। उनके द्वारा बनाई गई स्वर्ण नगरी सोने की लंका (लंका) को रावण के लिए निर्माण की एक महत्वपूर्ण कृति के रूप में माना जाता है।

विश्वकर्मा जयंती की पूजा विधि: विश्वकर्मा जयंती के दिन लोग अपनी कार्यस्थलों और उपकरणों की साफ-सफाई करते हैं। इसके बाद भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की जाती है। इस दिन खासकर मशीनरी औजार, वर्कशॉप, कारखाने और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में काम करने वाले लोग भगवान विश्वकर्मा से अपने कार्यों में सफलता समृद्धि और सुरक्षा की कामना करते हैं। पूजा में दीप जलाने फल चढ़ाने प्रसाद अर्पित करने और विशेष रूप से यंत्रों की पूजा की जाती है। कई लोग इस दिन नए उपकरणों की शुरुआत भी करते हैं] ताकि वे बिना किसी बाधा के कार्य कर सकें।

सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव: विश्वकर्मा जयंती न केवल एक धार्मिक पर्व है बल्कि यह समाज में विज्ञान] तकनीकी और निर्माण कार्यों के महत्व को भी प्रदर्शित करता है। इस दिन को मनाने से लोगों में कार्य के प्रति सम्मान और निष्ठा की भावना जागृत होती है। इसके अलावा यह पर्व श्रमिकों और तकनीकी क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को प्रेरित करता है कि वे अपने काम को और भी मेहनत और समर्पण से करें।

निष्कर्ष: विश्वकर्मा जयंती भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यह दिन लोगों को अपने काम के प्रति सच्ची निष्ठा और समर्पण की भावना देता है। भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से समाज में समृद्धि समर्पण और सफलता का माहौल बना रहता है।

A GLIMPSE OF FRESHER'S PARTY IN OUR INSTITUTION

Every student eagerly waits right from their time of admission for their most remarkable event of the college "FRESHER'S PARTY". The 26 September 2024 was a memorable day in the life of every fresher of the academic year 2024-2025 batch at Government Polytechnic Jakholi, Rudraprayag. The fresher's day was filled with excitement, joy, music, enthusiasm, laughter and happiness. It is the day where seniors and juniors finally bond and unite to celebrate being part of the college. Students were welcomed with so much of enthusiasm which was organized by students of 2 and 3 year of our institution.

As a trend of the institute, the party began with the auspicious prayer to almighty, followed by a prayer dance. Which is considered as very sacred and symbol of prosperity? The occasion was graced by the presence of Head of Village (Graam Pradhaan), Principal Sir and all faculty members. Our Principal Kuldeep Kumar Saini Sir addressed the gathering by welcoming our Chief Guest Mrs. Lakhpati Devi Mam and the students through his motivational speech. Mrs. Lakhpati Devi Mam (Graam Pradhaan), motivated the students by her inspiring thoughts.

The Programmed was structured in the four categories based on Entertainment, Games, Mr. &Ms. Fresher's of 2024and the DJ. Each and every student gave their introduction, it develops their communication skills, and makes them stronger people, but it also improves their academic performances. Ankering was done by "Reetesha and Anuj "who were then helped by "Lakita and Alekh". A huge number of programs were prepared by students of 2 and 3 year which includes Dance, singing, poetry, jokes, shyari,etc. Our respected Academic Head Mr. Praveen Chand Bhatt sir also increased exhilaration by vocalising his self- made poem. Fresher's party is all about creating everlasting relationships with each other. The event is an indication of union among the students. The Title Holder of Mr. Fresher was snatched by "Mayank Bhatt"" and Miss Fresher was carry off by "Shalini". At the end our admired Principal sir and esteem Graam Pradhaan Mrs Lakhpati Devi distributed prize to the winners of Poster Making and Debate competition
which was held few days earlier.

Pulsating ambience, flashing lights and foot-tapping music, set the mood of the party right. The excitement augmented to a joyful high as performances graced the stage. The dance floor was left open for some unbridled energy. Joy and happiness could be seen among students of each and every course at the college.

गांधी जयंती (2/अक्टूबर/2024)

गांधी जयंती हर साल 2 अक्टूबर को ‘‘राष्ट्रपिता’’ और स्वतंत्रता के दौरान उनकी भूमिका को याद करने के लिए मनाई जाती है। उनके बलिदान, उनके प्यार, उनके मूल्यों को याद किया जाता है। राजकीय पॉलिटेक्निक जखोली ने 2 अक्टूबर को गांधी जयंती मनाई गई । इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य लोगों की सेवा करके जीवन जीने के लिए गांधी जी के बताए रास्ते पर चलना था। श्री मयंक कुमार राजपूत द्वारा मंच का संचालन किया गया, जी.पी. जखोली में कई कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिसकी थीम, ‘‘हम छोटी-छोटी चीजों से दुनिया बदल सकते हैं’’ थी। यह अवधारणा गांधी जी द्वारा दी गई थी जिसका जी.पी. जखोली के छात्र, संकाय और प्रशासन द्वारा पालन किया जाता है।

महात्मा गांधी की 155वीं जयंती पर: यह कार्यक्रम जी.पी.जखोली के कॉलेज भवन में प्राचार्य और शिक्षकों द्वारा महात्मा गांधी और श्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ शुरू हुआ, ताकि राष्ट्र के लिए उनके बलिदान और योगदान को श्रद्धांजलि दी जा सके। जी.पी.जखोली के 80 से अधिक छात्र इस शुभ दिन पर एक साथ आए। प्रिंसिपल सर ने महात्मा गांधी के प्रेरक जीवन इतिहास के साथ सभा को संबोधित किया। सर ने जोर देकर कहा कि सभी शिक्षकों और छात्रों को राष्ट्रपिता के जीवन के तरीके और विचारधारा का पालन करना चाहिए। महात्मा गांधी के प्रेरक दर्शन और प्रेरक उद्धरण जीवन जीने का सबसे अच्छा तरीका याद करने और सीखने का अवसर देते हैं।

प्रिंसिपल सर ने असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन पर ध्यान केंद्रित किया। सभी संकाय सदस्यों और प्रशासनिक कर्मचारियों ने स्वतंत्रता के संघर्ष, महात्मा गांधी की भूमिका और भारत के विकास के लिए बेहतर विचारों के बारे में इस अवसर पर बात की। उन्होंने इस अवसर पर अपने विचार साझा किए और प्रतिभागियों को राष्ट्रवाद और देशभक्ति के प्रति प्रेरित किया। कुछ छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

SPORTS DAY ORGANISED AT GOVERNMENT POLYTECHNIC JAKHOLI

On 24 and 25 October, 2024, Government Polytechnic Jakholi organized its Annual Sports Day. The event took place in the spacious playground “Khansaud” near the campus. A large temporary sitting arena was constructed for the facility and students to sit and enjoy the day. Students of different semester participated in the sports day. Our esteem Principal sir was the judiciary of the event. Before the events of the day began, Principal sir unveiled the “National Flag”. The events of the day started at 9:30 a.m. with an inaugural address and by helding a rally. The Sports Day started with the march past of students of all the semester arranged in a well-defined row. After the march past, the students competed against each other in sports events like relay races, 100m, 200m, 400m, 800m and 1500m race, shotput, long jump, javelin and discuss throw.

Apart from the non-participating students, the participants too cheered for their friends. Our esteem Principal sir declared the result and appreciated the students for their firm will and enthusiasm of participating in the program. Points were given to the students depending on the performance of their representatives in the event.

The school had made arrangements for refreshments for both faculty and students. The events of the day came to an end with our Principal speech declaring the completion of the program . Winners were praised and were given a certificate and a medal each by our Principal sir. In the end, our honourable Principal thanked everyone for their presence and support, and congratulated the students for their exceptional performances.

S.NO.	EVENT	CATEGORY	POSITION	NAME OF STUDENT	BRANCH	YEAR
1	100m	Boys	1st	Anuj	Civil	2nd
			2nd	Ankush	Civil	2nd
			3rd	Raman	Civil	1st
		Girls	1st	Sandhya	Civil	1st
			2nd	Ambika	I.T.	1st
2	200m	Boys	1st	Anuj	Civil	1st
			2nd	Piyush	Civil	1st
			3rd	Suraj	Civil	1st
3	400m	Boys	1st	Suraj	Civil	1st
			2nd	Priyanshu	I.T.	1st
			3rd	Ravindra	Civil	2nd
4	800m	Boys	1st	Piyush	Civil	1st
			2nd	Shivanshu	I.T.	2nd
			3rd	Anuj	Civil	1st
5	1500m	Boys	1st	Suraj	Civil	1st
			2nd	Piyush	Civil	1st
6	LONG JUMP	Boys	1st	Puneet	Civil	2nd
			2nd	Ayush	I.T.	1st
			3rd	Roshan	I.T.	1st
7	SHOTPUT	Boys	1st	Ayush	I.T.	2nd
			2nd	Devashish	I.T.	2nd
			3rd	Anubhav	Civil	2nd
8	DISCUSS	Boys	1st	Devashish	I.T.	2nd
			2nd	Anubhav	Civil	2nd
			3rd	Prince	Civil	1st
		Girls	1st	Sandhya	Civil	1st
			2nd	Ambika	I.T.	1st
9	JAVELLIN	Boys	1st	Anubhav	Civil	2nd
			2nd	Ayush	I.T.	1st
			3rd	Prince	Civil	1st

DISTRICT LEGAL AWARENESS CAMP

Legal Aid is quintessential for any country that cherishes and respects equality in order to ensure justice for all. Article 39 of the Indian Constitution provides for free legal aid to the poor and weaker sections of the society to guarantee access to justice for all regardless of economic and other disabilities. This constitutional goal is realized by the enactment of the Legal Services Authorities Act, 1987 that further provides for establishment of Legal Services Authority at the National, State and District levels.

On 25 October 2024 a camp was organized by **District Legal Awareness Team** in our “Government Polytechnic Jakholi” institution. Special Guest of Honour of the Camp was “Mr. Raviranjan Sir” (Secretary / Senior Judge), the Plotter of the camp was Advocate Mrs. Yashoda Khatri Mam and Hired hand Mr. Uday Mindwal Sir. The program stared at 12:00a.m. by Lighting of Lamp, which was then followed by Embellishment of Batches. The program started with the name of God by a Prayer Song (Saraswati Vandana)) by students of 2 and 3 year. Then a warm Welcome Speech was given welcoming every Noble and Brilliant Personalities by Miss Mansi Devrani, who was also the stage controller. After that Awareness was spread by Advocate Mrs. Yashoda Khatri Mam acknowledging the main functions of the Authorities which include creating legal awareness, providing legal aid to the needy and settling dispute by way of conducting Lok adalats.

Then the stage was graced by Speech of our Special Guest of Honour “ Mr. Raviranjan Sir” who informed us that a separate committee called the Legal Aid and Awareness Committee is constituted solely to further the Constitutional Goal and help Public Members awaring them of their Rights. . He even makes us aware of the online frauds taking place and the process of handling these type of crimes. A lot of information regarding online frauds were given by “ Mr. Raviranjan Sir” ,Information on **Identity Fraud, Pishing, Credit Card Fraud, Lottery Scams, Investment and Insaurance Fraud** were sensitize to the faculty and students about these legal rights and other legal issues . He interacted with everyone and gave a helpline number too. The activities of the camp spread, the Right to Information, Consumer rights and the Right to education. At the end Vote of Thanks was given by our esteem Principal Mr. Kuldeep Kumar Saini Sir.

औद्योगिक भ्रमण

दिनांक 26.11.2024 को राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली रूद्रप्रयाग से औद्योगिक भ्रमण किया गया, जिसमे समस्त छात्र/छात्राओं एवं अध्यापकों संस्था परिसर से सहायक अभियन्ता विद्युत वितरण केन्द्र जखोली एक महत्वपूर्ण शैक्षिक गतिविधि के तहत महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर छात्रों को अध्यापकों तथा विद्युत स्टॉफ के द्वारा औद्योगिक और उनके कार्यप्रणाली के बारे में वास्तविक अनुभव प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में ई0 अजेन्द्र तनवार एस0डी0ओ0, श्री देवेश राज, ऑपरेटर लाईनमेन श्री विरेन्द्र राणा, श्री शैलेन्द्र गुसाई एवं पॉलीटेक्निक जखोली के शिक्षक श्री अशोक कुमार, श्री कोशिक कुमार, श्री मयंक कुमार, श्री प्रकाश चन्द्र भट्ट, श्री संजय धीमान, आदि उपस्थित थे, इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को उद्योग जगत से इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना और उनका व्यावसायिक ज्ञान बढ़ाना होता है। इस रिपोर्ट में हम अपने हाल ही के उद्योग भ्रमण का विवरण देंगे] जो हमने विद्युत विभाग जखोली में किया।

भ्रमण का उद्देश्य: हमारा मुख्य उद्देश्य इस भ्रमण के दौरान यह समझना था कि उद्योग में उत्पादन] प्रबंधन] विपणन और गुणवत्ता

नियंत्रण कैसे काम करता है। इसके साथ ही] हमने यह जानने का प्रयास किया कि किस प्रकार से आधुनिक तकनीकी उपकरणों और प्रणालियों का उपयोग किया जाता है।

उद्योग का परिचय: हमने अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड जखोली का दौरा किया, जो विद्युत वितरण खण्ड जैसे निर्माणए ऊर्जाए आदि क्षेत्र में कार्यरत है। यह उद्योग जैसे 11 केवीए 33 केवी0 उत्पादों की उत्पादन प्रक्रियाए तकनीकी ;5एम0बी0ए0द्धए डयूल लाईन की प्रगतिए आदि में अग्रणी है। उद्योग का मुख्यालय सुमाड़ी भरदार में स्थित है।

भ्रमण की प्रक्रिया:

स्वागत और परिचयरू भ्रमण की शुरूआत श्री अजेन्द्र तनवार, सहायक अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड जखोली द्वारा स्वागत और उद्योग के इतिहास, उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई।उत्पादन प्रक्रियारू हमें उद्योग के जल विद्युत परियोजनाओं मन्दाकिनी नदी अगस्त्यमुनि से 01 किमी दूरी गगांनगर बॉसबाड़ा पर स्थित जो जखोली विद्युत सब स्टेशन को 33 केबी लाईन प्राप्त होती है, तथा इस सब स्टेशन में दो साईड से विद्युत आपूर्ति निहित है तथा घरेलू उर्जा वितरण के लिए 11 केबी में परिवर्तित होती है यह आपूर्ति प्रथम अगस्त्यमुनि एवं द्वितीय बॉध परियोजना टिहरी घनशाली से प्राप्त होती है।

प्रौद्योगिकी का उपयोग: हमें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उद्योग में किस प्रकार से अत्याधुनिक मशीनों और तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया जाता है] जो उत्पादन को तेज और अधिक सटीक बनाते हैं।

गुणवत्ता नियंत्रण: गुणवत्ता विद्युत नियंत्रण विभाग में हमें बताया गया कि विद्युत प्रत्येक उत्पाद की गुणवत्ता का परीक्षण किस प्रकार किया जाता है] 33 केवी को 11 केवी में परिवर्तन किया जाता है।

सुरक्षा उपाय: हमें उद्योग में कार्य स्थल पर सुरक्षा के उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई। यह बताया गया कि श्रमिकों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए विशेष ध्यान दिया जाता है] स्टेशन में कार्यरत कर्मचारी श्री विरेन्द्र सिंह एवं सब स्टेशन आपरेटर ने सुरक्षा के लिए टूलए और रस्सी एवं वर्दी गल्पस जूते व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दी। **सीख और अनुभव:** इस उद्योग भ्रमण ने हमें बहुत कुछ सिखाया। हमें उद्योग की कार्यप्रणाली] तकनीकी प्रगति और सुरक्षा उपायों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। साथ ही] यह भ्रमण हमें यह समझने में भी मदद करता है कि उद्योग और शिक्षा के बीच गहरा संबंध है] और यह हमारी शिक्षा को व्यावहारिक दृष्टिकोण से समृद्ध करता है।

निष्कर्ष: हमारे छात्र/छात्राओं का यह औद्योगिक भ्रमण बहुत ही लाभकारी और ज्ञानवर्धक रहा। इस भ्रमण ने हमें उद्योग के विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर दिया। यह अनुभव हमें अपने व्यावसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा। इस तरह के भ्रमणों से हमें उद्योग के वास्तविक कार्यों को समझने का मौका मिला है ।

ड्रग्स की रोकथाम: सामूहिक जिम्मेदारी
राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली रुद्रप्रयाग, 07 दिसंबर, 2024

दिनांक 7 दिसंबर, 2024 को राजकीय पॉलिटेक्निक जखोली रुद्रप्रयाग में नशीली दवाओं के दुरुपयोग वह मादक पदार्थों के उपभोग से छात्रों के शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक भलाई और शैक्षणिक प्रदर्शन पर विनाशकारी प्रभाव को पहचानते हुए नासा मुक्ति प्रोग्राम उत्तराखंड राजभवन देहरादून ऑडिटोरियम ने रोकथाम और हस्तक्षेप के उद्देश्य से एक आनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के महत्वपूर्ण मुद्दे निम्नलिखित रहे।

जागरूकता और शिक्षा

अभियान नशीली दवाओं के उपयोग के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित रहा। इस क्षेत्र के विशेषज्ञ ने छात्रों को नशीली दवाओं के व मादक पदार्थों उपयोग के अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणामों के बारे में जानकारी दी ।

छात्रों को परामर्श

यह समझते हुए कि रोकथाम केवल जागरूकता नहीं है, आयोजकों ने मादक पदार्थों उपयोग से जूझ रहे छात्रों की सहायता के लिए अपनी समर्थन प्रणालियों के बारे में बताया। छात्रों के बीच सामुदायिक और पारस्परिक समर्थन की भावना पैदा करने के लिए सहकर्मी समर्थन समूह बनाए जाने पर भी चर्चा हुई।

समुदाय भागीदारी

इस कार्यक्रम में संकाय, कर्मचारी और छात्रों को एक साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया ताकि एक सहायक वातावरण बनाया जा सके जहां हर कोई एक दूसरे की भलाई के लिए जिम्मेदार महसूस करे। प्रशासन, स्वयं सहायता समूह, छात्रों को उपलब्ध समर्थन नेटवर्क को मजबूत करने के लिए स्थानीय अधिकारियों और संगठनों के साथ भी सहयोग की चर्चा हुई।

मादक पदार्थों का उपभोग एक गंभीर समस्या है जो व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को प्रभावित करती रहती है। शिक्षा संस्थानों के रूप में, कॉलेज हमारे समाज के भविष्य को आकार देने, जागरूकता बढ़ाकर और छात्रों के बीच नशीली दवाओं वह मादक पदार्थ के उपयोग को रोकने के लिए समर्थन प्रदान करके में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंत में सभी ने मादक पदार्थों के उपभोग न करने की शपथ लेकर इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

औद्योगिक भ्रमण

10 दिसम्बर 2024 को "**राजकीय पॉलीटेक्निक जाखोली, रुद्रप्रयाग**" के छात्रों का एक समूह ने "**राजकीय पॉलीटेक्निक जाखोली रुद्रप्रयाग**" का औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा सुविधा के संचालन को व्यावहारिक रूप से समझना, अस्पताल प्रबंधन को जानना और चिकित्सा सेवाओं तथा प्रौद्योगिकी के समन्वय को देखना था। इस भ्रमण ने यह स्पष्ट किया कि अस्पताल किस प्रकार कार्य करते हैं और वे रोगी देखभाल और स्वास्थ्य प्रबंधन में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भ्रमण का उद्देश्य

- अस्पताल की संरचना और प्रबंधन को समझना।
- विभिन्न विभागों और उनके संचालन को देखना।
- अस्पताल में इस्तेमाल होने वाली तकनीकी और चिकित्सा उपकरणों के बारे में जानना।
- रोगी भर्ती, निदान और उपचार की कार्यप्रणाली को समझना।
- स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की भूमिका और जिम्मेदारियों को जानना।

"सरकारी अस्पताल रुद्रप्रयाग" एक बहु-विशेषज्ञता, सरकारी अस्पताल है, जो रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड में स्थित है। जो रोगियों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह अस्पताल वर्तमान में निर्माणाधीन है और इसका उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। अस्पताल का निर्माण एक आधुनिक भवन तकनीक और डिजाइन के साथ किया जा रहा है, जो सिविल इंजीनियरिंग के दृष्टिकोण से एक चुनौतीपूर्ण परियोजना है।

अस्पताल भवन के निर्माण का विवरण

निर्माण योजना और डिज़ाइन

अस्पताल भवन का डिज़ाइन एक आधुनिक और कार्यात्मक दृष्टिकोण से किया गया है। डिज़ाइन में प्रत्येक विभाग की आवश्यकताओं के अनुसार भवन का आकार और संरचना निर्धारित की गई है। यह सुनिश्चित किया गया है कि अस्पताल में रोगियों की देखभाल के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं और उपकरण आसानी से उपलब्ध हों। डिज़ाइन में प्रवेश मार्ग, आपातकालीन निकासी, पार्किंग और अन्य सुविधाओं का ध्यान रखा गया है।

उपयोग की जाने वाली निर्माण सामग्री

निर्माण में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग किया जा रहा है, जो भवन की स्थिरता, सुरक्षा और दीर्घायु सुनिश्चित करती है। कुछ प्रमुख सामग्री जो उपयोग की जा रही हैं, वे निम्नलिखित हैं:

- **कंक्रीट:** कंक्रीट का उपयोग मुख्य संरचनात्मक कार्य के लिए किया जा रहा है, जैसे कि नींव, स्तंभ, बीम और स्लैब्स।
- **स्टील:** स्टील का उपयोग मुख्य रूप से भवन की संरचना को मजबूत बनाने के लिए किया जा रहा है, विशेष रूप से ढांचे के निर्माण में।
- **सिरेमिक और टाइल्स:** आंतरिक दीवारों, फर्श और बाथरूम में सिरेमिक टाइल्स का उपयोग किया जा रहा है, जो सफाई में आसान होते हैं।
- **ब्रिक्स और ब्लॉक्स:** दीवारों की निर्माण के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ब्रिक्स और सीमेंट-फोम ब्लॉक्स का उपयोग किया जा रहा है, जो इन्सुलेशन और मजबूतता प्रदान करते हैं।

अस्पताल भवन का संरचनात्मक डिज़ाइन बहुत मजबूत और भूकंपीय सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। निम्नलिखित पहलुओं पर ध्यान दिया गया है:

- **स्ट्रक्चरल इंटेग्रिटी:** भवन की संरचना को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि यह भारी लोड और तनाव को सहन कर सके, खासकर ऑपरेशन थिएटर और भारी उपकरण वाले क्षेत्रों में।
- **भूकंपीय सुरक्षा:** अस्पताल को भूकंप के प्रभाव से बचाने के लिए भूकंपीय मानकों का पालन किया गया है। भवन में लचीली संरचनाओं का उपयोग किया गया है, जिससे भूकंप के दौरान भवन की स्थिरता बनी रहे।
- **वेंटिलेशन और प्राकृतिक रोशनी:** अस्पताल के डिज़ाइन में वेंटिलेशन और प्राकृतिक रोशनी का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि रोगियों और कर्मचारियों के लिए एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

अस्पताल भवन में सुरक्षा मानकों का पालन किया गया है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कुछ प्रमुख सुरक्षा सुविधाएं निम्नलिखित हैं:

- **आग से सुरक्षा:** अस्पताल में आग से सुरक्षा के लिए अग्निरोधक सामग्री, फायर अलार्म सिस्टम और जलाने वाले उपकरण लगाए गए हैं। साथ ही, आपातकालीन निकासी मार्गों को भी डिज़ाइन किया गया है।
- **आपातकालीन निकासी:** भवन में पर्याप्त आपातकालीन निकासी द्वार हैं, जो रोगियों और कर्मचारियों को त्वरित निकासी के लिए आसानी से उपलब्ध हैं।

- **सुरक्षा दीवारें और रेलिंग :** सुरक्षा दीवारें और रेलिंग्स का उपयोग अस्पताल के विभिन्न हिस्सों में किया गया है, ताकि मरीजों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अस्पताल में जल आपूर्ति और निकासी प्रणाली को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि यह पूरी तरह से स्वच्छ और सुरक्षित हो:

- **जल पुनर्चक्रण प्रणाली:** अस्पताल में जल पुनर्चक्रण प्रणाली स्थापित की जा रही है, जिससे जल का पुन: उपयोग किया जा सके और जल संरक्षण सुनिश्चित हो।
- **सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम:** सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को पूरी तरह से व्यवस्थित किया गया है, ताकि अस्पताल में जल भराव या गंदगी का कोई संकट न हो।

सरकारी अस्पताल रुद्रप्रयाग के निर्माणाधीन भवन का औद्योगिक भ्रमण हमारे लिए एक अत्यंत शिक्षाप्रद अनुभव था। इसने हमें अस्पताल भवन के निर्माण और सिविल इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद की। हम आभारी हैं कि हमें इस परियोजना का हिस्सा बनने का अवसर मिला।

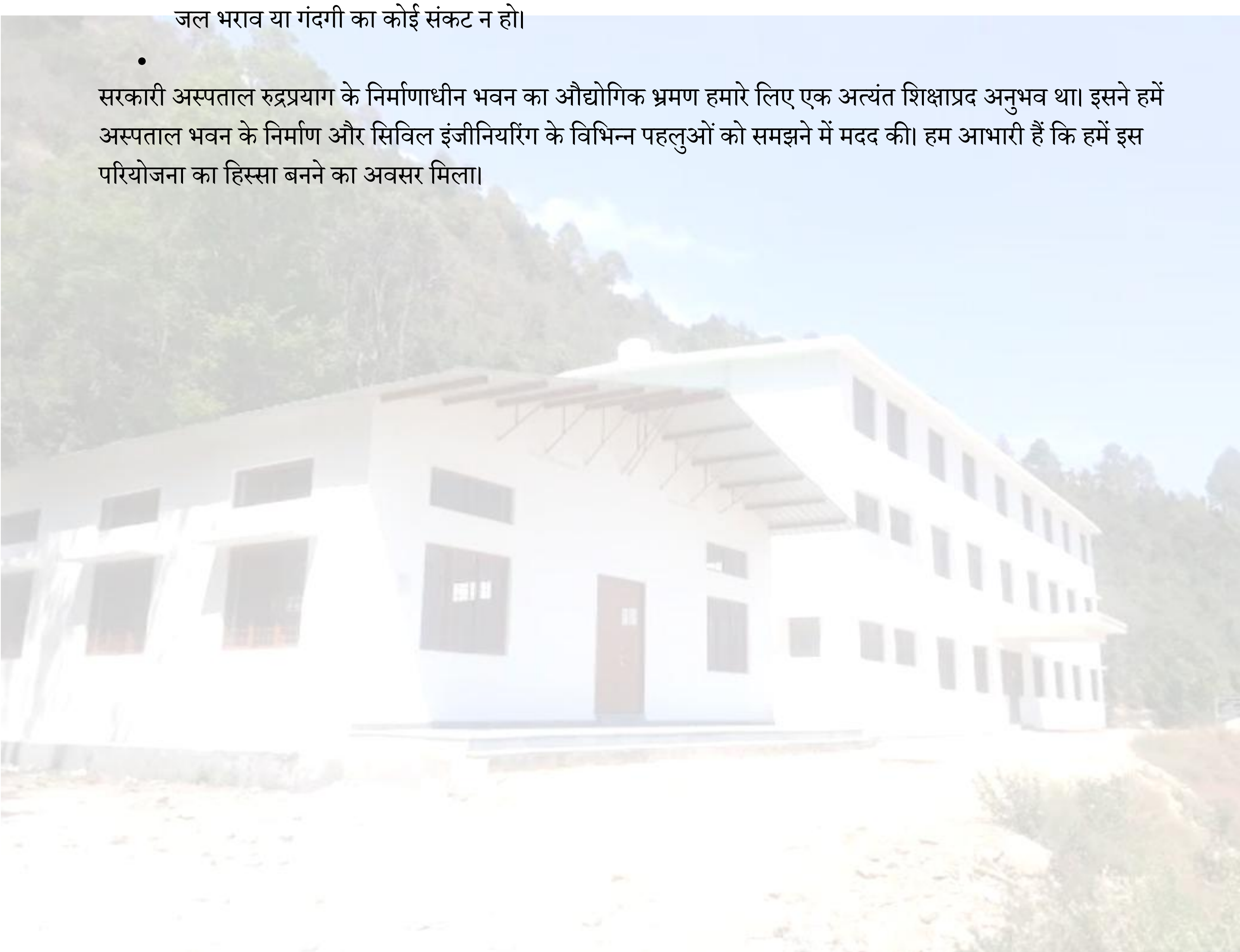

फेयरवेल पार्टी

दिनांक: 26 जून 2024 को राजकीय पॉलिटेक्निक जखोली रुद्रप्रयाग के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित फेयरवेल पार्टी एक अविस्मरणीय और भावुक अवसर थी। यह कार्यक्रम उन छात्रों के लिए था जो अपने संस्था जीवन के अंतिम वर्ष में थे और अब वे अपनी पढ़ाई पूरी कर आगामी जीवन की ओर कदम बढ़ाने वाले थे।

पार्टी का आयोजन संस्था के सभागार में किया गया था। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के प्रधानाचार्य ,श्री कुलदीप कुमार सैनी द्वारा की गई। उन्होंने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने सभी को भावुक कर दिया। इसके बाद, छात्रों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पार्टी को और भी रंगीन और जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने नृत्य, संगीत, और रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से संस्था के हर पल को यादगार बनाने की कोशिश की। शिक्षकों और छात्रों के बीच घनिष्ठ संबंधों को दिखाते हुए, कई विद्यार्थियों ने अपनी संस्था की यादें साझा की और सभी ने हंसी-मजाक के साथ पुरानी घटनाओं को याद किया।

विद्यार्थियों ने भी अपने शिक्षकों और संस्था प्रशासन का धन्यवाद करते हुए उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया। पार्टी का अंतिम क्षण सभी के लिए भावुक था, जब सभी ने एक-दूसरे से विदाई ली। इस अवसर पर छात्रों ने अपनी संस्था की यादों को संजोने के लिए एक-दूसरे से वादे किए कि वे कभी भी एक-दूसरे से संपर्क बनाए रखेंगे और अपने अनुभवों को साझा करेंगे। फेयरवेल पार्टी का आयोजन इस प्रकार कॉलेज जीवन के अंतिम दिन को एक सकारात्मक और खुशी भरे तरीके से मनाने का एक आदर्श अवसर बन गया। यह कार्यक्रम हर किसी के दिल में अपने कॉलेज के दिनों की सुंदर यादें छोड़ ।

मतदान दिवस (25जनवरी 2025)

मतदान दिवस - 25 जनवरी 2025 पर सरकारी पॉलिटेक्निक जाखोली कॉलेज में छात्र-छात्राओं और कॉलेज स्टाफ ने लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण दिन को बड़े उत्साह और जिम्मेदारी के साथ मनाया। कॉलेज प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ की थीं। कॉलेज परिसर में मतदान को लेकर विशेष प्रचार-प्रसार किया गया था, जिससे छात्रों में जागरूकता आई और उन्होंने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कॉलेज के छात्रों ने यह सुनिश्चित किया कि वे अपने मत का प्रयोग करें और चुनाव में अपनी भूमिका निभाएं।

कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों ने भी छात्रों को मतदान के महत्व के बारे में जागरूक किया और मतदान स्थल तक पहुंचने में उनकी मदद की। कॉलेज में स्थापित मतदान केंद्र पर छात्रों और कर्मचारियों ने अपने-अपने वोट डाले, और इस प्रकार, पूरे कॉलेज ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। इस अवसर पर, कॉलेज प्रशासन ने छात्रों के उत्साह की सराहना की और कहा कि यह दिन भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का प्रतीक है। मतदान में भाग लेकर छात्रों ने यह दिखा दिया कि वे देश की

राजनीति और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बन रहे हैं। इस प्रकार, सरकारी पॉलिटेक्निक जाखोली कॉलेज ने मतदान दिवस को सफलता के साथ मनाया और लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया।

गौरव और देश भक्ति के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस

26 जनवरी 2025 को हमारे कॉलेज राजकीय पालीटेक्निक जखोली रूद्रप्रयाग में भारत के 76वें गणतंत्र दिवस का उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। यह दिन भारतीय संविधान के 1950 में अंगीकरण की याद दिलाता है। कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज परिसर में हुआ । देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव से ओतप्रोत इस विशेष अवसर को मनाने के लिए शिक्षक, और कर्मचारी सभी एकत्रित हुए ।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज के ध्वजारोहण से हुई, जो हमारे प्रधानाचार्य /समन्वयक श्री कुलदीप कुमार जी द्वारा किया गया। जैसे ही तिरंगा लहराया, सभी ने एक साथ मिलकर राष्ट्रीय गीत" जन गण मन "गाया, जिससे उपस्थित सभी लोगों के दिलों में राष्ट्र प्रेम का जज्बा जागृत हो उठा। यह दृश्य राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति का अद्भुत प्रतीक था।

ध्वजारोहण के बाद प्रधानाचार्य /समन्वयक श्री कुलदीप कुमार जी ने अपने संबोधन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कुर्बानियों का स्मरण कराया और हमारे संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान ने लोकतंत्र, समानता और न्याय की नींव रखी, और यह हर भारतीय नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता है। साथ ही, उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान दें।

कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों को मिठाई वितरण के साथ हुआ, जो देश की एकता और खुशियों के प्रतीक के रूप में था। इस दिन ने सिर्फ देशभक्ति का उत्सव नहीं मनाया, बल्कि यह हमें यह भी याद दिलाया कि स्वतंत्रता, न्याय और समानता के हमारे मूल्यों को संजोए रखना हमारा कर्तव्य है।

राजकीय पालीटेक्निक जखोली रूद्रप्रयाग में गणतंत्र दिवस का यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। यह एक अविस्मरणीय दिन था, जिसने सभी को अपने देश के प्रति गर्व और जिम्मेदारी का अहसास कराया।

राजकीय पॉलिटेक्निक
जखोली, रूद्रप्रयाग
Branch-
Information
Technology

संस्था भवन का निरीक्षण कार्यक्रम(30 जनवरी 2025)

दिनांक 30 जनवरी 2025 को राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली के संस्था भवन का निरीक्षण कार्यक्रम यह सुनिश्चित करने के लिए आयोजित किया गया था कि भवन की संरचनात्मक स्थिति, सुरक्षा मानक, और सभी आवश्यक सुविधाएँ ठीक से काम कर रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण सुनिश्चित करना था।

निरीक्षण अधिकारी:

1. एस.के. वर्मा (अध्यक्ष उप निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखंड, श्रीनगर गढ़वाल)
2. कुलदीप कुमार सैनी (प्रधानाचार्य, राजकीय पॉलीटेक्निक जखोली)
3. दिनेश कुमार (विभाग अध्यक्ष सिविल, राजकीय पॉलीटेक्निक कुलशारी, चमोली)
4. यशवीर सिंह (विभाग अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स, राजकीय पॉलीटेक्निक जोशीमठ, चमोली)
5. संजीव कुमार सैनी (सहायक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रुद्रप्रयाग)
6. नितिन नेगी (अपर सहायक अभियंता, उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास और निर्माण निगम, श्रीनगर गढ़वाल)
7. राकेश रावत (कनिष्ठ अभियंता, ब्रिडकुल, देहरादून)

राजकीय पॉलिटेक्निक
जखोली, रूद्रप्रयाग
Branch-
Information
Technology
DRAWING HALL

COMPUTER CENTER

COMPUTER CENTER

औद्योगिक भ्रमण(14/02/2025)

दिनांक 14/02/2025 को राजकीय पालीटेक्निक जखोली रूद्रप्रयाग से औद्योगिक भ्रमण किया गया, जिसमे समस्त छात्र/छात्राओं एवं अध्यापकों संस्था परिसर से स्वान केन्द्र जखोली एक महत्वपूर्ण शैक्षिक गतिविधि के तहत महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर छात्रों को अध्यापकों तथा स्वान केन्द्र स्टाफ के द्वारा औद्योगिक और उनके कार्यप्रणाली के बारे में वास्तविक अनुभव प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में श्री अरबिन्द पंवार स्वान केन्द्र अधिकारी, श्री जयवीर फरस्वाण, श्री संजय धीमान ने इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना और उनका व्यावसायिक ज्ञान बढ़ाना होता है। इस रिपोर्ट में हम अपने

हाल ही के उद्योग भ्रमण का विवरण देंगे जो हमने स्वान केन्द्र जखोली में किया।

हमारा मुख्य उद्देश्य इस भ्रमण के दौरान यह समझना था कि उद्योग में उत्पादन, प्रबंधन, विपणन और गुणवत्ता नियंत्रण कैसे काम करता है। इसके साथ ही, हमने यह जानने का प्रयास किया कि किस प्रकार से आधुनिक तकनीकी उपकरणों एवं कम्प्यूटर नेटवर्किंग, सर्वर, वायरिंग, टोपोलाजी, प्रोटोकाल कनेक्शन, मोडम, और अन्य डिवाइजों का उपयोग किया जाता है।

हमने स्वान केन्द्र जखोली का दौरा किया, जो विकास खण्ड जखोली . जैसे कम्प्यूटर नेटवर्किंग आदि क्षेत्र में कार्यरत है। यह उद्योग जैसे 33 एम0बी0पी0एस0 रेडियो फ्रीक्वेन्सी की कनेक्टविटी उपलब्ध है उत्पादन प्रक्रिया, तकनीकी प्रगति, आदि में अग्रणी है।

उद्योग का मुख्यालय खण्ड विकास जखोली में स्थित है।

स्वागत और परिचयरू भ्रमण की शुरूआत श्री अरविन्द पंवार स्वान केन्द्र जखोली द्वारा स्वागत और उद्योग के इतिहास, उद्देश्यों और कार्यप्रणाली के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई।

उत्पादन प्रक्रियारू हमें उद्योग के स्वान केन्द्र नदी अगस्त्यमुनि से 16 किमी दूरी पर जहा से जखोली स्वान केन्द्र को 34 एम0बी0पी0एस0 स्पीड लाईन प्राप्त होती है, तथा इस केन्द्र में तीन साईड(बीएसएनएल-33, जीओ-33, ऐयरटेल-33एम0बी0पी0एस0 से डाटा स्पीड आपूर्ति निहित है जो रेडियो फ्रीक्वेन्सी से कनेक्ट है। यहा तीनो लाइने एस0डी0बी0एन0 से कनेक्ट है, जिस कनेक्शन की स्पीड अधिक होती तो स्वीच अप लाइन मोड रेडियो फ्रीक्वेन्सी को ट्रांस्फर करने लगता है। प्रौद्योगिकी का उपयोगरू हमें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि उद्योग में किस प्रकार से अत्याधुनिक मशीनों और तकनीकी उपकरणों का उपयोग किया जाता है, जो उत्पादन को तेज और अधिक सटीक बनाते हैं।

गुणवत्ता स्वान केन्द्र जखोली में हमें बताया गया कि प्रत्येक नेटवर्क उत्पाद की गुणवत्ता का परीक्षण किस प्रकार किया जाता है। हमें उद्योग में कार्य स्थल पर सुरक्षा के उपायों के बारे में भी जानकारी दी गई। यह बताया गया कि श्रमिकों और कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए विशेष ध्यान दिया जाता है, स्वान केन्द्र में कार्यरत अधिकारी श्री अरविन्द पंवार ने सुरक्षा के लिए और नेटवर्किंग टूल की जानकारी दी।

इस उद्योग भ्रमण ने हमें बहुत कुछ सिखाया। हमें उद्योग की कार्यप्रणाली, तकनीकी प्रगति और सुरक्षा उपायों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। साथ ही, यह भ्रमण हमें यह समझने में भी मदद करता है कि उद्योग और शिक्षा के बीच गहरा संबंध है, और यह हमारी शिक्षा को व्यावहारिक दृष्टिकोण से समृद्ध करता है।

हमारा यह उद्योग भ्रमण बहुत ही लाभकारी और ज्ञानवर्धक रहा। इस भ्रमण ने हमें उद्योग के विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर दिया। यह अनुभव हमें अपने व्यावसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगा। इस तरह के भ्रमणों से हमें उद्योग के वास्तविक कार्यो को समझने का मौका मिला है।

MAIN BUILDING

WORKSHOP

INFORMATION TECHNOLOGY LAB

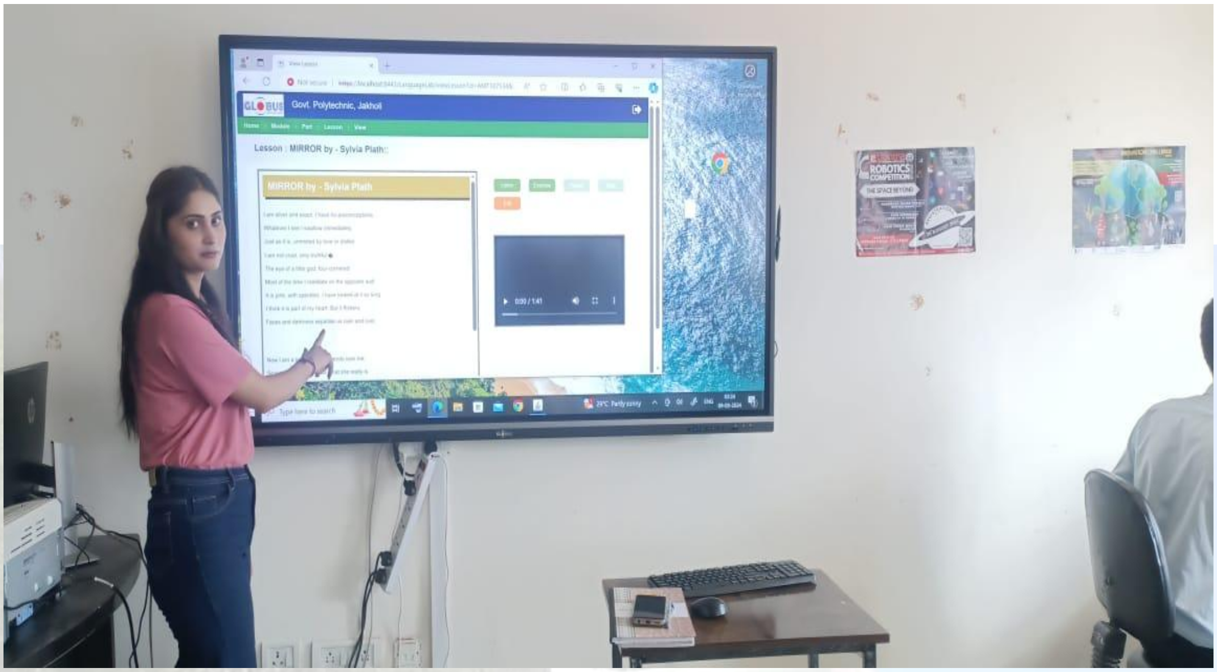

LANGUAGE LAB

CIVIL LAB

CHEMISTRY LAB

PHYSICS LAB

LIBRARY

Important Things To Succeed In Life

The First step is taking decisions which are right,

And hard work which makes us bright.

Get rid of deperssion, worry and fear,

Because success is often soo near.

Second step is to set your goal and light that fire,

Do it with passion and you will soar higher.

Third step is to never quit,

Keep building up bit by bit.

When things go wrong as they sometimes will,

The road you are going seems an uphill.

Do not quit keep aside your fear,

And you will surely succeed my dear.

Mansi Devrani

Lecturer English

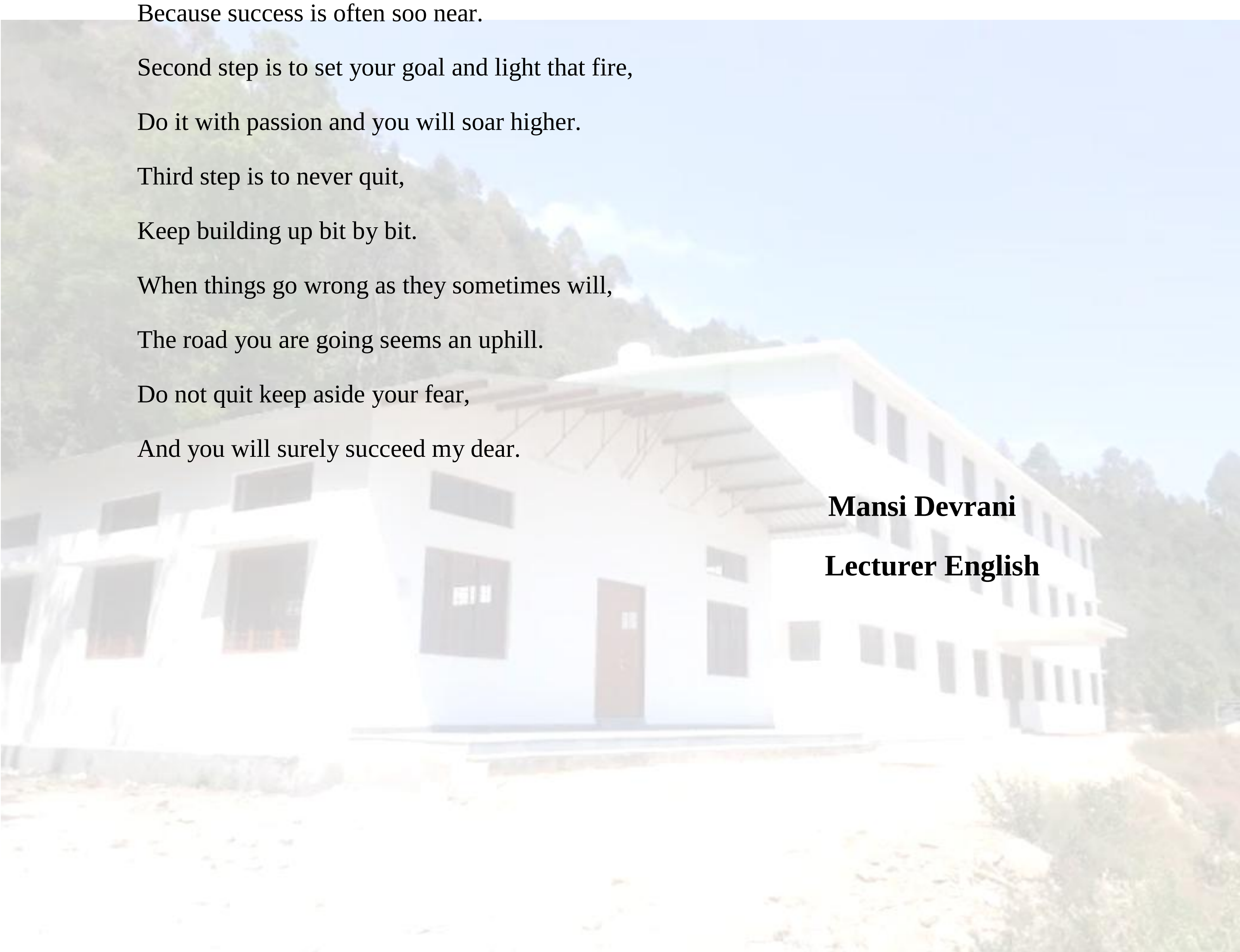

होली

रंगो के संग आया है
होली का ये मधुंर त्यौहार।
संग बसंत लाया है
कर के धरा का श्रृगांर।।

खेत सजे हैं सरसों से
बिछी हो चादर सी पीली।
मन मोह रहा बसंत है
लटकी मैंड़ो में जो फ्यूली।।

होली का अविनंदन करने
स्वयं बसंत है आया।

राग, द्वेष, नफरत, ईर्ष्या मिटाने

त्यौहार होली का है लाया।।

आओ सब मिलकर सब मिलकर खेले होली
अपनों का अतुलित प्यार है।
आओ सब एक हो जायें हम
आज रंगों का त्यौहार है।।

टीका लगाकर थौड़ा गुलाल जड़ाकर
प्रेम बांट लो गले लगाकर।
करलो दूर कड़वाहट मन की
होली की मिठाई गुजिया खिलाकर।

संजय धीमान
कम्प्यूटर प्रोग्रामर

चलो कुछ प्राप्त करते हैं

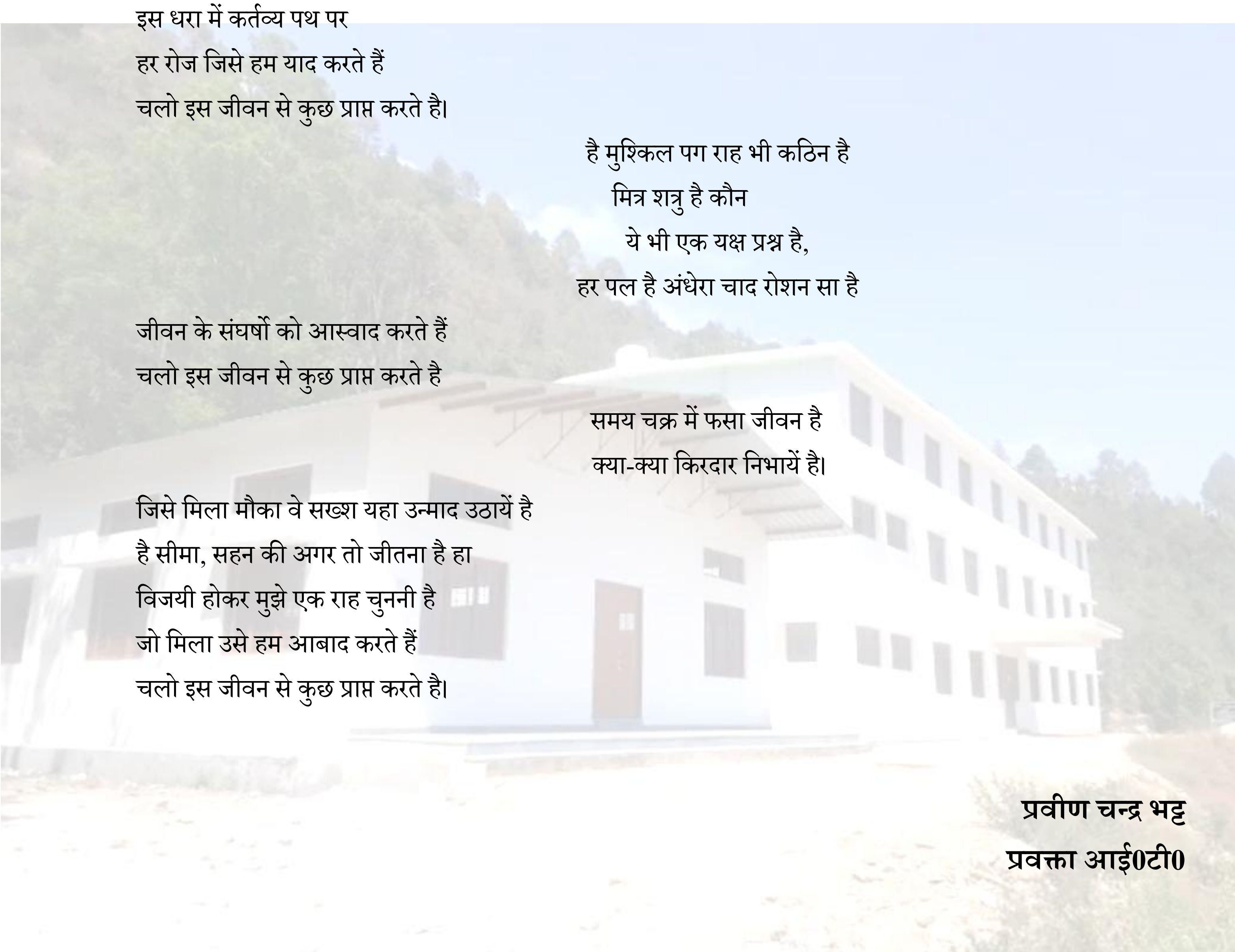

आखों में सपने संजोये
इस धरा में कर्तव्य पथ पर
हर रोज जिसे हम याद करते हैं
चलो इस जीवन से कुछ प्राप्त करते है।

है मुश्किल पग राह भी कठिन है
मित्र शत्रु है कौन
ये भी एक यक्ष प्रश्न है,
हर पल है अंधेरा चाद रोशन सा है

जीवन के संघर्षो को आस्वाद करते हैं
चलो इस जीवन से कुछ प्राप्त करते है

समय चक्र में फसा जीवन है
क्या-क्या किरदार निभायें है।

जिसे मिला मौका वे सख्श यहा उन्माद उठायें है
है सीमा, सहन की अगर तो जीतना है हा
विजयी होकर मुझे एक राह चुननी है
जो मिला उसे हम आबाद करते हैं
चलो इस जीवन से कुछ प्राप्त करते है।

प्रवीण चन्द्र भट्ट
प्रवक्ता आई0टी0

पर्यावरण कू रेंबार

डाली ब्वटलि
अहा डालि कतगा स्वाणि,
हरीं-पतगी कतगा स्वाणि।
इ डाला ब्वटला हमारी शान,
यू से जिन्दा हमरा प्राण।
खाद डाला पाणिन पण्या,
यू से धरती हरीं-भरीं ,
फल फूलन डाली लदीं,
उत्तराखण्डे धरती सजी,
अहा डालि कतगा स्वाणि,
हरीं-पतगी कतगा स्वाणिं

संजय धीमान
(कंप्यूटर प्रोग्रामर)

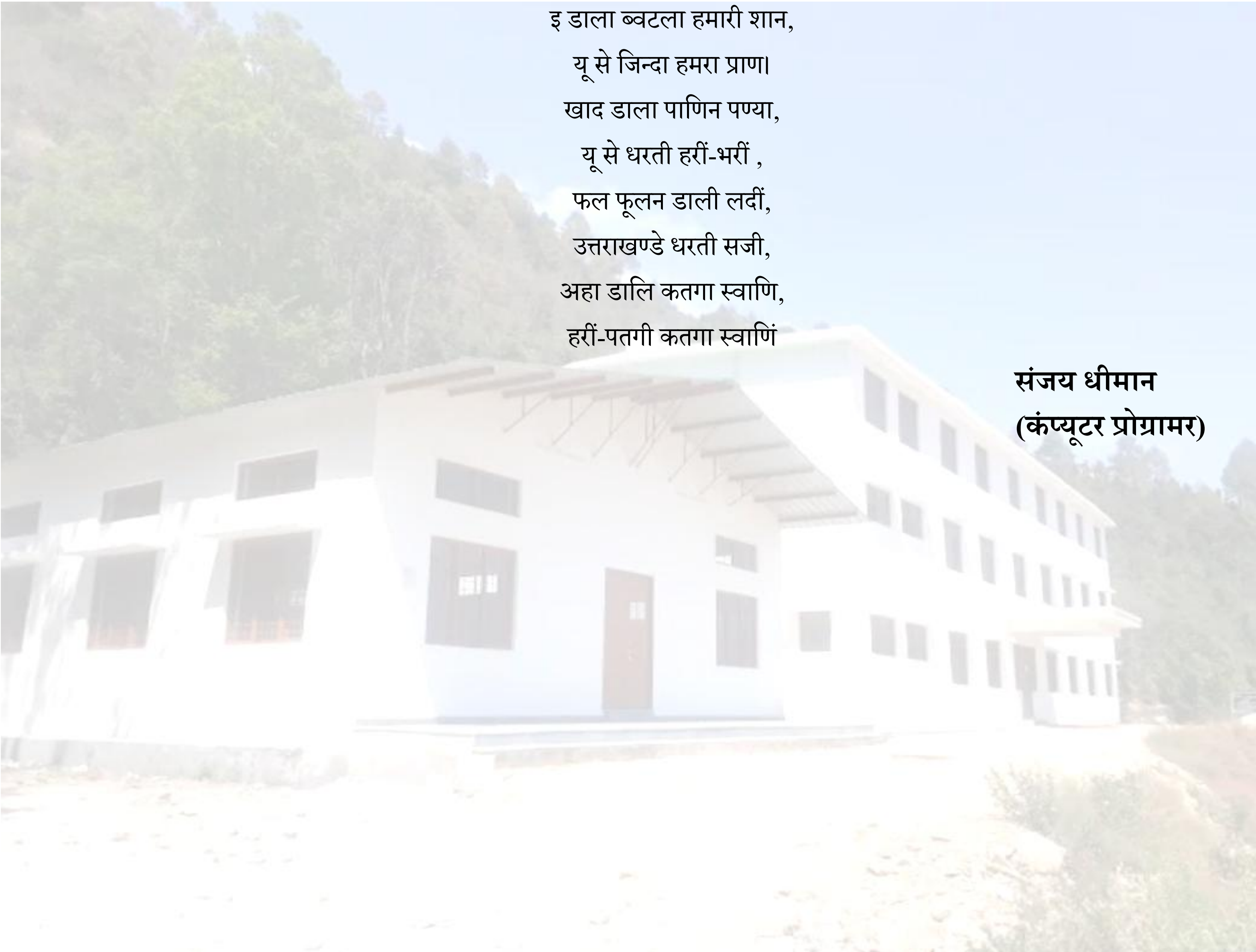

शाम

शाम वह थी जिसे हमने बचपन में महसूस किया,
स्कूल से थक हार कर भी खेलों को मशहूर किया,
वह शाम की नादान यादें बचपन को निखार गई,
आज वही शाम जिम्मेदारी और कमाई को कुर्बान हुई।

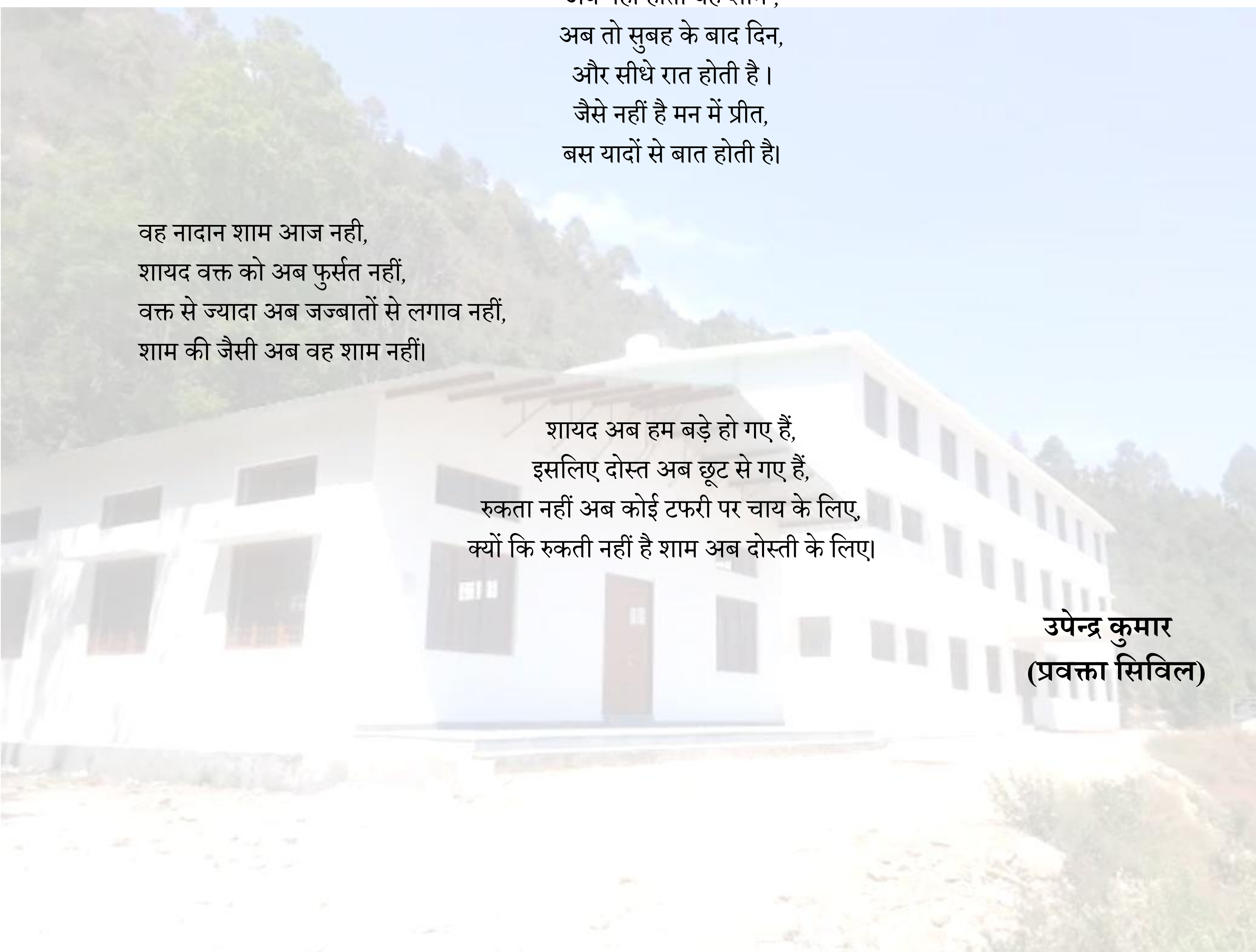

अब नहीं होती वह शाम ,
अब तो सुबह के बाद दिन,
और सीधे रात होती है ।
जैसे नहीं है मन में प्रीत,
बस यादों से बात होती है।

वह नादान शाम आज नही,
शायद वक्त को अब फुर्सत नहीं,
वक्त से ज्यादा अब जज्बातों से लगाव नहीं,
शाम की जैसी अब वह शाम नहीं।

शायद अब हम बड़े हो गए हैं,
इसलिए दोस्त अब छूट से गए हैं,
रुकता नहीं अब कोई टफरी पर चाय के लिए,
क्यों कि रुकती नहीं है शाम अब दोस्ती के लिए।

उपेन्द्र कुमार
(प्रवक्ता सिविल)

मैं ही नादान था

मैं ही नादान था, जो समझना पाया, खेल दुनिया की, बातो का,
दुखः अपनो के, छोड़ जाने का,

मैं, ही नादान था, जो समझ ना पाया,
आज लिख रहा हू, जो रखा दिल में सालो से,

मैं, ही नादान था, जो समझ जा पाया, मतलब मा, बाप के समझाने का,
जो हुआ मेरे साथ बिते वर्ष, मैं उसको याद करुगा नहीं,

आशा करता हूँ, आप सब माफ करेंगे मुझे, अब आगे कोई गलती करुगा नहीं,
वी सुकून नहीं मिलता, अब तरस गया

परिवार के साथ बैठना, बच्चों के साथ, खेलना,
2025 में मिलोगे तो जानोगे सहाब, इतना बदल गया हूं में,

अब जैसा आपको अच्छा लगे वैसा हूँ मैं,
सुना था जुबा से ज्यादा ताकत होती है, कलम में

आज बिना कुछ बोले, आपको बता रहा हूँ....
ऐसा हूँ मैं...

नई जिंदगी, नई सोच...

कार्तिक
प्रथम वर्ष (I.T)

हिमालयें तू केदारम्

हम उस माटी के बने हैं,
जहां देवता रहते है,
इसलिये मेरी मातृभूमि को,
देवभूमि भी कहते हैं,

गंगा यमूना बहती जिसमें,
ऊंचा जिसको हिमालय हो,
नमन है ऐसी मातृभूमि को,
जहां केदार क्या शिवालय हो,

जहां ढोल दमाऊ भौर हुड्का,
आज भी बजाये जाते है,
जहां तीलू रौतेली मऔर मालूशाही
के गीत आज भी गाये जाते है,

जहां हर पर्वत कि चोटी पर,
आज भी देवता जाते है,
जहाँ भह की चुडकाणी,
और दाल गौहत कि बड़े चाव से खाते हैं,

जहां अल्मोडा कि बाल मिठाई,
भाज भी व्यबको भाती है,
जहां घर घर तुलसी और गाय,
आज भी पूजी जाती है,

हाही तो मेरा उत्तराखण्ड है,
जो दुनिया को भा जाता है,

नितेश सेमवाल
प्रथम वर्ष(I.T.)

पहले गिरा फिर उठा

पहले गिरा फिर उठा,

फिर हिम्मत बाँधी दौड़ लगाई है,

और जीत उसी ने पाई है जिसने,

इन ठोकरों से हार नहीं मानी है।

तो इसीलिए आज कर हिम्मत,
मैंने भी उठने की कोशिश दुबारा जताई है,
और इस भागी दौडी दुनिया में,
मैंने दुबारा दौड़ लगाई है।

लेखक - बिन्दिया कुमारी

अमित कुमार डोरियाल
द्वितीय वर्ष (I.T.)

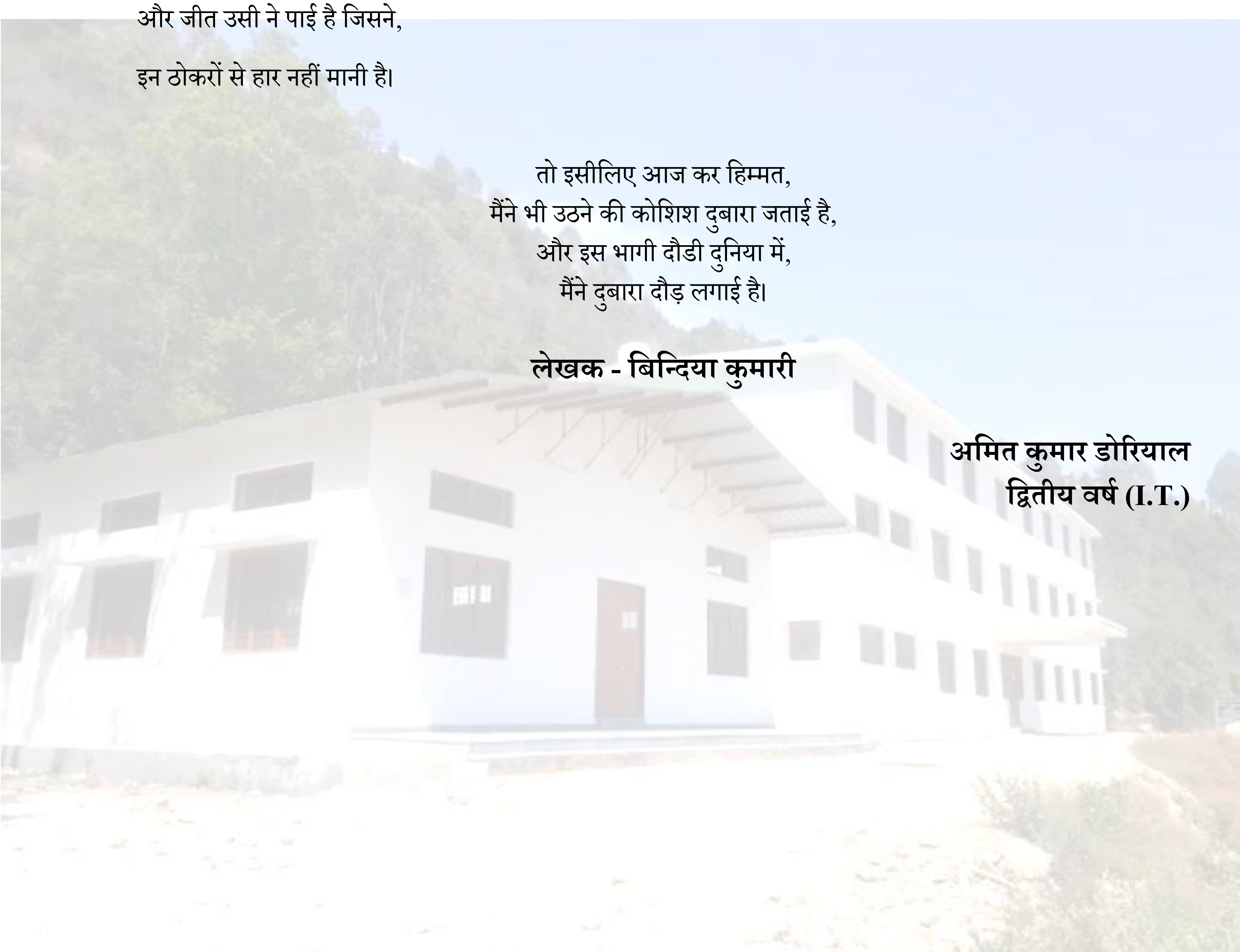

"आज "

आज पहाड़े खुद लगणी,
मन होयु भारी उदास,
टूटी कूडी बांजी पुंगडी.
लगी मेरी आस।

जाणे स्वचनों छो वख मी,
कन कवे होलू वख रेबास
कौरि न कुछ सकणौ मिन,
खाली बैठि होंयू उदास।

हममा जन तुमुन भरोशू घरयू
हमें मा वि हुंदा वनी कास
तुमारि सौ छे डाडी कांठियों
तुमसे विहुंणुण नि आइ रास।

"वक्कत (समय)" बजारों खाणु छोडी, कोदु - डांगोरु आज खुजोंगू।
तो बगदा धारा, हुईया, पंदेरी कु पाणी आज खुज्योंणु।

"अर्थ(बजारों का खान पान छोड़कर आज कोदा - अंगो। तलाश कर रहा हैं - आज वो बहते धारे हुई पंदेरी आज के पानी को खोज रहा है

रितिशा
तृतीया वर्ष (I.T.)

“उड़ान है जरूरी”

उड़ना जरूरी है

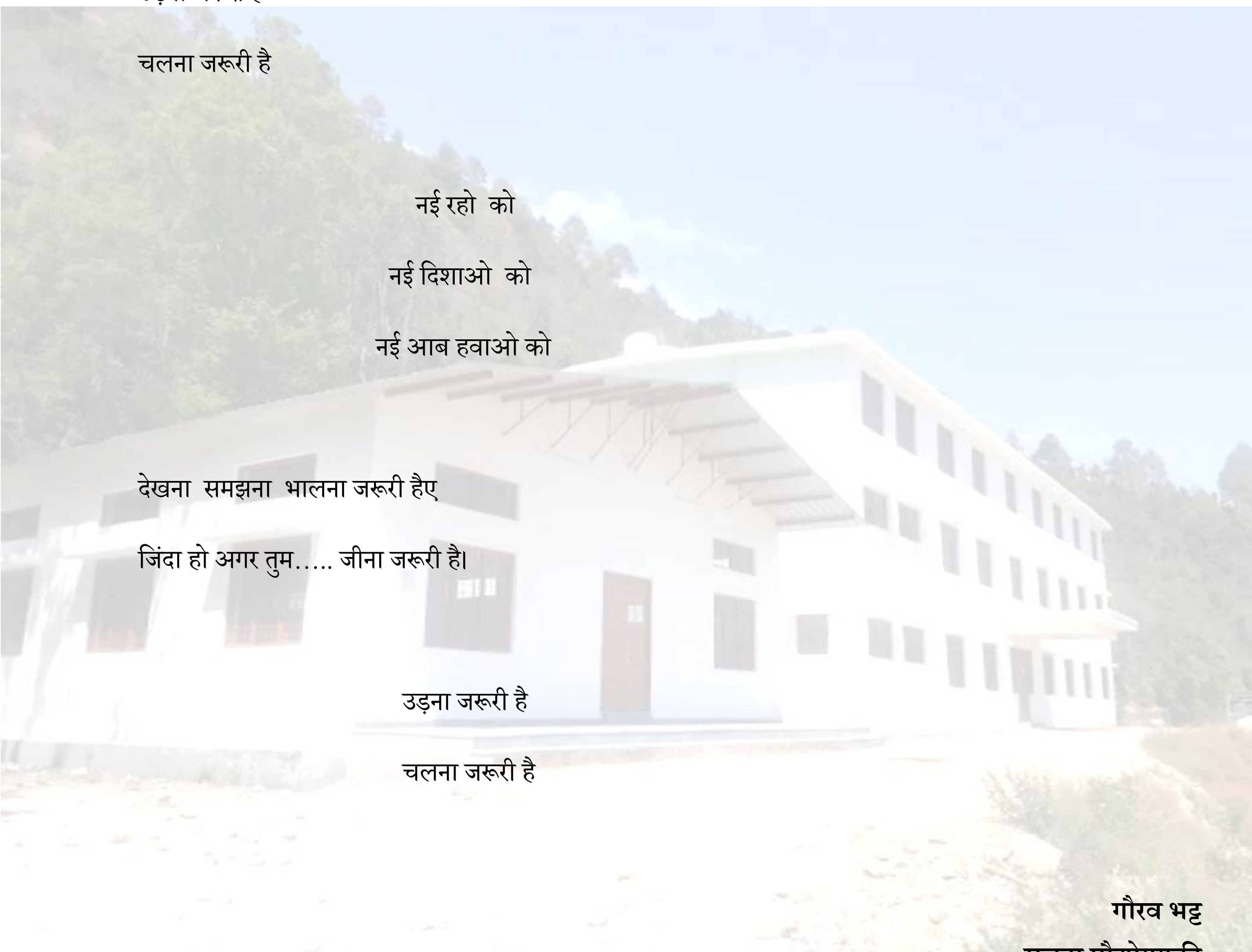

चलना जरूरी है

नई रहो को

नई दिशाओ को

नई आब हवाओ को

देखना समझना भालना जरूरी हैए

जिंदा हो अगर तुम….. जीना जरूरी है।

उड़ना जरूरी है

चलना जरूरी है

गौरव भट्ट

सूचऩा प्रौद्योगगकी

4th सेमेस्टर

Fine Arts

ARE YOU
READY FOR
YOU LEARNI
-NG JOURNEY
?

TAKE WHAT
YOU NEED
SMILE
COURAGE
CALM
I am Brilliant!
JOY!
I'm SMART
SUPPORT
I am UNIQUE
LOVE
STRENGTH
BE BRAVE
I can make a difference
AMAZING
PEACE !
I MATTER
AND PASS
IT ON!

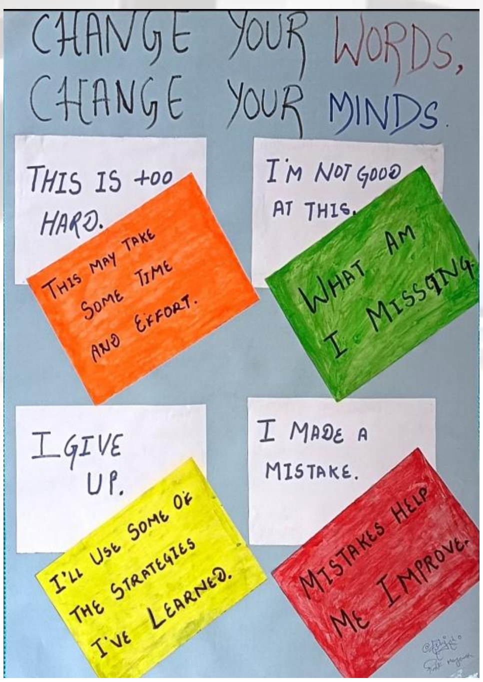
CHANGE YOUR WORDS,
CHANGE YOUR MINDS.
THIS IS too HARD.
THIS MAY TAKE SOME TIME AND EFFORT.
I'M NOT GOOD AT THIS.
WHAT AM I MISSING.
I GIVE UP.
I'LL USE SOME OF THE STRATEGIES I'VE LEARNED.
I MADE A MISTAKE.
MISTAKES HELP ME IMPROVE.

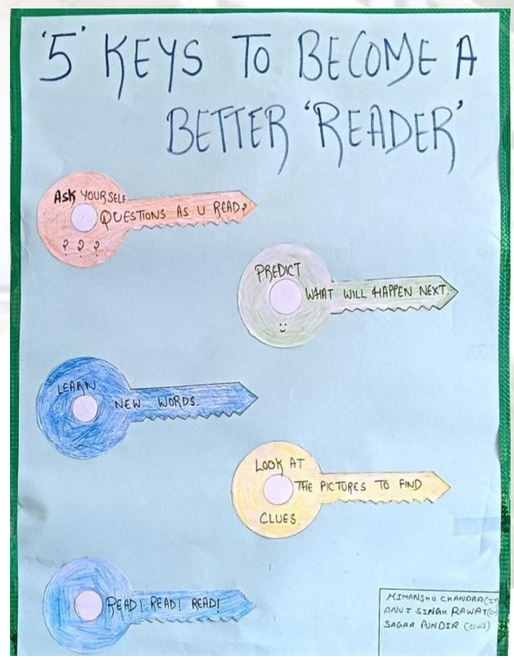
'5' KEYS TO BECOME A
BETTER 'READER'
ASK YOURSELF QUESTIONS AS U READ?
PREDICT WHAT WILL HAPPEN NEXT.
LEARN NEW WORDS.
LOOK AT THE PICTURES TO FIND CLUES.
READ! READ! READ!

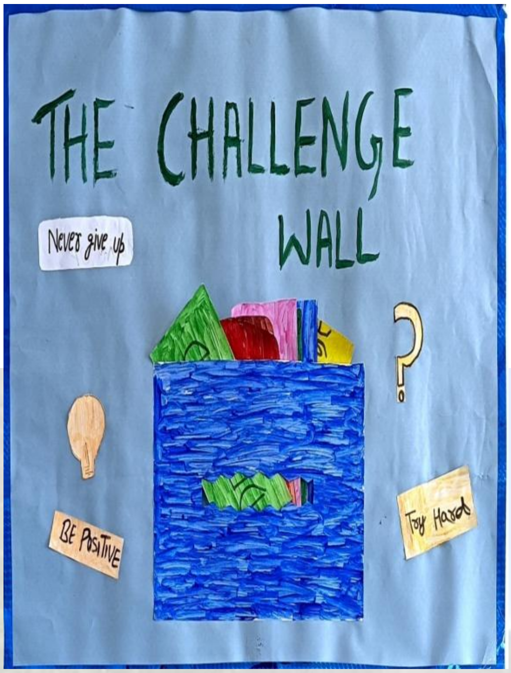
THE CHALLENGE WALL
Never give up
BE POSITIVE
Try Hard
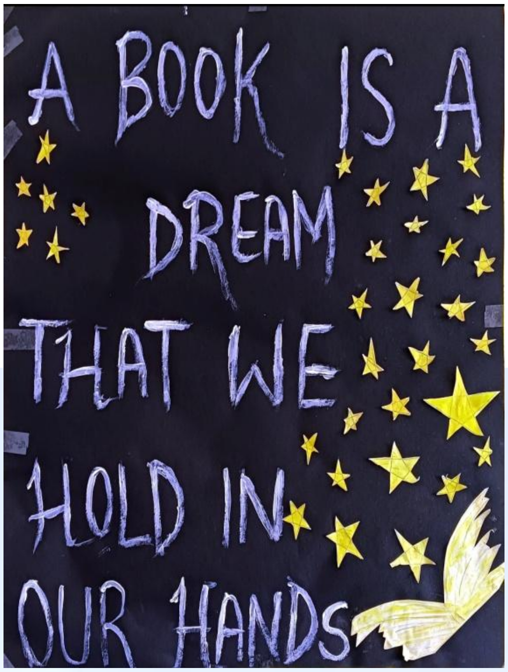
A BOOK IS A DREAM THAT WE HOLD IN OUR HANDS

BE NICE
SMILE
POSITIVE BEHAVIOUR
BE A FRIEND
LISTEN
SAY PLEASE

EDUCATION
IS A GIFT
THAT NONE
CAN TAKE
AWAY

I.T. Models

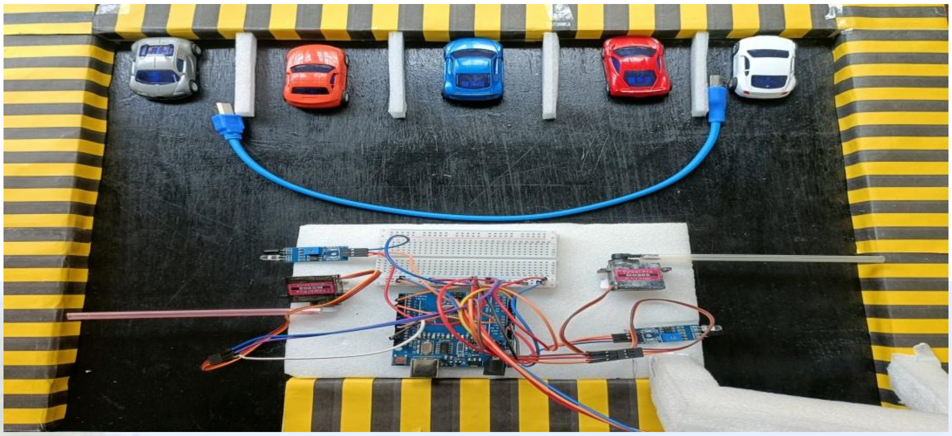

Yahoo
TREE TOPOLOGY
EMail
NETWORKTOPOLOGY
Drive
File
Paint
MS WORD
MESH TOPOLOGY
CHROME
Paint

OSI
ION
TATION
SESSION
RANSPORT
NETWORK
DATA-LINK
PHYSICAL
OSI MODEL

विदाई समारोह रिपोर्ट

दिनांक 28 मई 2025 को राजकीय पॉलिटेक्निक जखोली, रुद्रप्रयाग में सिविल इंजीनियरिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी (.टी.आई) द्यार्थियों के लिए भावभीनी विदाईविभाग के अंतिम वर्ष के विसमारोह का आयोजन संस्थान परिसर में किया गया। यह कार्यक्रम शैक्षणिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के समापन को चिह्नित करता है, जिसमें शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों ने मिलकर भाग लिया। "विदाई केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत होती है। जीवन में आगे बढ़ते समय कभी अपने संस्थान को न भूलें। यह वही भूमि है जहाँ आपने अपने सपनों को आकार देना सीखा। मेहनत, विनम्रता और ईमानदारी, यही आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं।"

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (.टी.आई)

- **कुर्सी पर विराजमान (बाएँ से दाएँ)** - श्री जयवीर फरस्वाण (प्रवक्ता, आई.टी.), श्री संजय धीमान (कंप्यूटर प्रोग्रामर), श्री कुलदीप कुमार सैनी (प्रधानाचार्य) एवं श्री प्रवीण चंद्र भट्ट (प्रवक्ता, आई.टी.)।
- **पंक्ति में खड़े (बाएँ से दाएँ)**- रीतीशा पंवार, निरज थपलियाल, निखिल रावत, गौरव मनूरी, पवन रावत।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य श्री कुलदीप कुमार सैनी जी के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के - में प्राचार्य महोदय ने छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि जीवन में साथ हुआ। अपने उद्बोधन सफलता पाने के लिए अनुशासन, परिश्रम एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर गर्व महसूस करता है। कार्यक्रम में जूनियर विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे नृत्य, गीत, कवितापाठ ए-वं लघुनाटिका ने सभी का मन मोह लिया।- सीनियर छात्रों ने मंच पर आकर अपने कॉलेज जीवन के अनुभव साझा किए, जिनमें शिक्षकगणों का मार्गदर्शन, मित्रों के साथ बिताए क्षण, तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं सहपाठ्यक्रम - गतिविधियाँ प्रमुख रहीं।

विदाई समारोह के अवसर पर श्री प्रवीण चंद्र भट्ट जी ने छात्रों को संबोधित करते हुए अपने विचार साझा किए। उनका भाषण प्रेरणा, स्नेह और मार्गदर्शन से परिपूर्ण था। उन्होंने कहा: “विदाई का यह क्षण सिर्फ एक अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत का संकेत है। आप सभी ने यहां तीन वर्षों में जो कुछ भी सीखा है - तकनीकी ज्ञान, अनुशासन, परिश्रम, और सामूहिकता वही — ”आपकी आगे की यात्रा की नींव बनेगा।

प्रवीण जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि जीवन की राह में कई चुनौतियाँ आएँगी, लेकिन यदि आत्मविश्वास और ईमानदारी साथ हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने छात्रों को समय का महत्व समझाते हुए कहा: “समय वह संसाधन है जो लौटकर नहीं आता। इसे सदुपयोग करना ही सफलता की कुंजी है। सीखना कभी बंद मत कीजिए, क्योंकि आज का सीखना ही कल की ऊँचाइयों की नींव रखता है।” अपने भाषण के अंत में उन्होंने सभी छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं और यह भी कहा कि शिक्षक और संस्थान हमेशा उनके मार्गदर्शन के लिए उपस्थित रहेंगे।

समारोह के अंत में कॉलेज प्रशासन की ओर से विद्यार्थियों को स्मृतिचिह्न प्रदान किए गए-, जो उनके संस्थान से जुड़ाव की मधुर स्मृति बने रहेंगे। इसके पश्चात सभी के लिए सांझा भोज की व्यवस्था की गई। (कम्युनिटी लंच) यह आयोजन जहाँ एक ओर विदाई का क्षण था, वहीं दूसरी ओर यह विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत भी था। आयोजन - सफलतापूर्वक सम्पन हुआ और सभी प्रतिभागियों के हृदय में अमिट छाप छोड़ गया। यह विदाई समारोह न केवल एक आयोजन था, बल्कि भावनाओं का संगम था। यह क्षण विद्यार्थियों के जीवन की एक महत्वपूर्ण स्मृति बन गया। अब वे एक नए सफर की ओर अग्रसर हैं, सपनों की दुनिया में, जहां उन्हें अपना भविष्य गढ़ना है। संस्थान उन्हें उनकी आगामी यात्रा के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देता है और आशा करता है कि वे अपने ज्ञान, संस्कार और कौशल से समाज और राष्ट्र को गौरवान्वित करेंगे।

सिविल इंजीनियरिंग विभाग

- **कुर्सी पर विराजमान(बाएँ से दाएँ)** - श्री उपेंद्र कुमार (प्रवक्ता, सिविल), श्री वेदांत रामोला (प्रवक्ता, सिविल), श्री कुलदीप कुमार सैनी (प्रधानाचार्य) एवं श्री अजय सिंह राणा (प्रवक्ता, सिविल)।
- **पंक्ति में खड़े (बाएँ से दाएँ)-** आयुष रौताण, अशिष सेमवाल, भरत भूषण, गोविंद घाटवाल, और रविना उनीयाल।

राजकीय पॉलिटेक्निक, जखोली के समस्त स्टाफ सदस्य (रुद्रप्रयाग)

कुर्सी पर विराजमान (बाएँ से दाएँ) - श्री प्रकाश चंद्र भट्ट (प्रवक्ता, रसायन शास्त्र), श्री जयवीर फरस्वाण (प्रवक्ता, आई.टी.), श्री कौशिक कुमार (कार्यशाला अनुदेशक), मानसी देवरानी (प्रवक्ता, अंग्रेज़ी), श्री कुलदीप कुमार सैनी (प्रधानाचार्य), श्री प्रवीण चंद्र भट्ट (प्रवक्ता, आई.टी.) तथा श्री परविंद नेगी (वरिष्ठ सहायक)।

पंक्ति में खड़े (बाएँ से दाएँ) - श्री संजय धीमान (कंप्यूटर प्रोग्रामर), श्री वेदांत रामोला (प्रवक्ता, सिविल), श्री अशोक कुमार (कार्यशाला अनुदेशक), श्री मयंक कुमार (कार्यशाला अनुदेशक), श्री अमित धीरवान (सहायक लेखाकार) तथा श्री नवीन खत्री (प्रवक्ता, भौतिकी), श्री अजय सिंह राणा (प्रवक्ता, सिविल) तथा श्री उपेंद्र कुमार (प्रवक्ता, सिविल)।